संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -329 सोमवार ,02 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए प्रदर्शन

पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए दिल्ली के रामलीला मैदान में कर्मचारियों द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2023 (ए)।

पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को लेकर रविवार को नई दिल्ली में रामलीला मादान में जोरदार प्रदर्शन किया गया है। यह विरोध प्रदर्शन नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम की ओर से आयोजित किया गया।

खास बात ये है कि विभिन्न राज्यों, केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के इसे विरोध प्रदर्शन में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत भी मंच पर पहुंचे थे। देश भर से जुटे ये कर्मचारी अपनी मांग की समर्थन में तरह-तरह के नारे लगाते देखे गए।

अपने हक की मांग कर रहे हैं-प्रदर्शनकारी

प्रदर्शनकारियों की दलील है कि पुरानी पेंशन योजना उनका अधिकार है और वह कोई भीख नहीं मांग रहे, बल्कि अपने हक की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों में शामिल महाराष्ट्र के पुणे

से आए जितेंद्र नाम के एक प्रदर्शनकारी ने कहा, देश में पुरानी पेंशन योजना 2004 से बंद है और महाराष्ट्र में 2005 से बंद है। हम एनपीएस (नई पेंशन स्कीम) नहीं चाहते, हम शेयर मार्केट स्कीम नहीं चाहते। संविधान भी कहता है कि पुरानी पेंशन हमारा अधिकार है.।

ये प्रदर्शनकारी एनपीएस निजीकरण भारत छोड़ो और पुरानी पेंशन फिर से बहाल करो जैसे नारे लगा रहे थे। देशभर से जुटे इन प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांग के समर्थन वाली तख्तियां ले रखी थी और उसी तरह की टोपियां भी पहन रखी थीं।

कई राज्यों ने किया ही ओपीएस बहाली का फैसला

प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि जब देश कई राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, पंजाब में पुरानी पेंशन की बहाली हो सकती है, तो इस देश में लागू करने में क्या दिक्कत है।

कांग्रेस को ओपीएस के वादे से मिला है चुनावी फायदा

प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार को यह भी चेतावनी दी गई है कि चुनावों के दौरान भी वोट फॉर ओपीएस जैसी मुहिम चलाई जाएगी। गौरतलब है कि पिछले कुछ विधानसभा चुनावों में कांग्रेस जैसी विरोधी पार्टियों ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने का वादा किया था, जिसका उन्हें चुनावों में फायदा भी मिला है। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले और इस साल आने वाले महीनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह मुहिम तेज की गई है, ताकि केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सके। गौरतलब है कि पुरानी पेंशन योजना के तहत किसी कर्मचारी को उसके आखिरी वेतन की आधी रकम मासिक पेंशन के तौर पर मिलती थी। लेकिन, नई पेंशन व्यवस्था में इसकी जगह सरकार ने वैकल्पिक सुविधाएं दी हैं। लेकिन, अचानक करीब दो दशकों के बाद पुरानी पेंशन की मांग जोर पकड़ चुकी है।

कांग्रेस पार्टी में बढ़ा अजय माकन का कद

बनाए गए कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2023 (ए)। अजय माकन आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नए कोषाध्यक्ष होंगे। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से कहा गया है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने माकन की नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। वह पवन बंसल का स्थान लेंगे।

कांग्रेस पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने अजय माकन को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्हें पवन बंसल की जगह नया कोषाध्क्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कांग्रेस पार्टी के भीतर विशेष रूप से राजस्थान में आंतरिक संघर्ष के उथल-पुथल भरे दौर के बाद हुई है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनकी नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। गौरतलब है कि अजय माकन आज रायपुर में हैं और कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे हैं. इस बैठक में उम्मीदवारों के चयन को लेकर फैसला होना है। इस बीच यह घोषणा हुई है।माकन की नियुक्ति को आंतरिक मतभेदों को सुलझाने, पार्टी की एकता को मजबूत करने और राजस्थान में कांग्रेस पार्टी में स्थिरता लाने के लिए एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

पीएम पद के उम्मीदवार के लिए नीतीश कुमार के नाम पर जोर

» असमंजस में पड़ी कांग्रेस

» पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और पटना के मनेर से विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि वह शीर्ष पद के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार

नई दिल्ली ,01 अक्टूबर2023 (ए)। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के गठबंधन सहयोगियों जनता दल-यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से आवाजें उठ रही हैं कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के सभी गुण हैं, लेकिन कांग्रेस ने इस मुद्दे को यह कहकर तूल नहीं दिया कि शीर्ष पद के

लिए फैसला 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद ही लिया जाएगा।

नीतीश कुमार को 'इंडिया' ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने की मांग एक बार फिर से तेज हो गई, जब वह दरगाह उर्स के मौके पर प्रार्थना करने के लिए हजरत मखदूम सैयद शाह पीर मुहम्मद मुजीबुल्लाह क़ादरी रहमतुल्लाह अलेह की दरगाह पर गए।

नीतीश कुमार की पार्टी जद-यू के अलावा, इस बार उन्हें बिहार में अपने गठबंधन सहयोगी राजद से भी समर्थन मिला। पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और पटना के मनेर से विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि वह शीर्ष पद के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार हैं।

वीरेंद्र ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं चाहूंगा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनें। लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के नेतृत्व में देश भर के राजनीतिक दल एक मंच पर एकजुट हुए हैं।उन्होंने कहा कि देश से बीजेपी को उखाड़ फेंकने के नारे लग रहे हैं।' वीरेंद्र ने कहा, 'इंडिया गठबंधन में सहमति हो या नहीं, अच्छा होगा अगर नीतीश (कुमार) को प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाया जाए।'

इंडिया ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर चल रही बहस पर कांग्रेस महासचिव तारिक अनवर ने कहा, नीतीश कुमार ने खुद कई मौकों पर स्पष्ट किया है कि वह प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नहीं हैं। अनवर ने कहा, यहां तक कि इंडिया ब्लॉक ने भी कहा है कि प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार चुनाव के बाद तय किया जाएगा।

जब उनसे पूछा गया कि मुख्यमंत्री ने बिहार में एक दरगाह का दौरा किया है और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह शीर्ष पद के इच्छुक हैं, तो कांग्रेस नेता ने कहा, हर समुदाय में हर लोगों के लिए समर्थन होता है। तो कुछ लोग उनके समर्थन में भी बोले होंगे, लेकिन जहां तक 'इंडिया' ब्लॉक का सवाल है तो कई बार यह स्पष्ट किया जा चुका है कि चुनाव परिणाम से पहले इसकी घोषणा नहीं की जाएगी।

राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ी

» इस मामले में नोटिस जारी; एक नवंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली,01 अक्टूबर2023 (ए)। मोदी सरनेम केस बाद भी राहुल गांधी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं है। कांग्रेस सांसद द्वारा वीर सावरकर पर की गई टिप्पणी के खिलाफ दाखिल परिवाद को खारिज किए जाने के निचली कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को जिला जज अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई के लिए एक नवंबर की तारीख तय की है। साथ ही पत्रावली को सुनवाई के लिए एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की कोर्ट मे स्थानांतरित कर दिया है। याचिकाकर्ता नृपेंद्र पांडेय ने एमपी/एमएलए के विशेष एसीजेएम अम्बरीष कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग वाली अर्जी दी थी। इसमें आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने सावरकर के खिलाफ 17 नवंबर 2022 को अकोला महाराष्ट्र में

जानबूझकर टिप्पणी की थी। राहुल गांधी ने देश के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है। राहुल गांधी ने निरंतर अंग्रेजों का पेंशनर, अंग्रेजों का नौकर, मददगार, अपनी रिहाई के लिए माफी मांगने वाला बताकर अनेकों दोषारोपण किया। निचली अदालत ने पहले इस अर्जी को परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया, लेकिन बाद में परिवाद को क्षेत्राधिकार के बाहर का बताते हुए खारिज कर दिया था। निचली कोर्ट के इसी आदेश को निगरानी याचिका के जरिये चुनौती दी गई है।

अर्चना गौतम कांग्रेस से निलंबित की गई

नई दिल्ली,01 अक्टूबर2023 (ए)। कांग्रेस ने बिग बॉस फेम अर्चना गौतम को पार्टी से निलंबित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार 29 सितंबर को अपने पिता के साथ अर्चना गौतम अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के ऑफिस गयीं थीं। लेकिन दोनों को ही ऑफिस के अंदर घुसने नहीं दिया गया। साथ ही सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल हुआ। इसमें अर्चना गौतम के साथ धक्का-मुक्की की गई, और बाल तक खींचे गए। वहीं इस घटना के दूसरे दिन उन्हें कांग्रेस ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस मामले पर अर्चना के रिएक्शन देते हुए कहा कि मेरे साथ जो हुआ वो बेहद खतरनाक था, इसमें मेरी जान का खतरा था, और इसे लेकर मैं जल्द प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सारी बात सामने रखूंगी। बता दें कि बिग बॉस फेम अर्चना गौतम कांग्रेस की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी रह चुकी हैं। पार्टी ने अर्चना पर कई आरोप जड़ते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है की उन्होंने नोटिस का जवाब नहीं दिया। राज्य इकाई की

अनुशासन समिति ने एक आदेश में कहा कि अर्चना गौतम को छह साल की अवधि के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। यह भी कहा कि इस साल 31 मई को अनुशासनहीनता के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया था और उन्हें एक सप्ताह के भीतर जवाब देने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनके साथ इतनी ज्यादा बदसलूकी की गई कि वह खुद को बचाने के लिए पार्किंग में खड़ी हुई कारों को खोलने की कोशिश करती रहीं। उन्होंने कहा कि वह खुद को बचाने के लिए किसी कार को खोलकर उसके अंदर छुपाना चाहती थी लेकिन यह नहीं हो पाया।

एनसीपी का संस्थापक कौन ?

» पार्टी विभाजन पर ईसी की सुनवाई से पहले शरद पवार ने दिया बड़ा बयान

» अजित पवार के शिंदे सरकार में शामिल होने से एनसीपी में हुआ था विभाजन

» चुनाव आयोग करेगा तय,एनसीपी पर किसका अधिकार

पुणे,01 अक्टूबर2023 (ए)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी विभाजन के संबंध में सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए शरद पवार छह अक्टूबर को राष्ट्रीय

राजधानी में होंगे। उन्होंने रविवार को स्वयं इस बात की जानकारी दी।

पार्टी के नाम को लेकर दोनों गुटों में विवाद

पुणे के जुन्नार में पत्रकारों के साथ बातचीत में शरद पवार ने कहा कि हर कोई जानता है कि पार्टी का संस्थापक कौन है। उन्हें समन मिला है और वह सुनवाई में मौजूद रहेंगे।

अजित पवार सहित नौ विधायकों के प्रदेश की एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद 2 जुलाई को एनसीपी दो फाड़ हो गई। ऐसे में दोनों गुटों ने पार्टी के नाम और सिम्बल के लिए चुनाव आयोग में याचिका दायर की।

क्या कुछ बोले शरद पवार ?

शरद पवार ने कहा कि जनता क्या सोचती है यह काफी अहम है। कुछ लोगों ने एक अलग राजनीतिक रुख अपनाया है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि लोकतंत्र में यह उनका अधिकार है, लेकिन महाराष्ट्र और बाकी देश जानता है कि एनसीपी का संस्थापक कौन है। मेरे लोग जो कहते हैं, उसमें सच्चाई है। स्थिति हमारे अनुकूल है। उन्होंने कहा,उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की अगली कार्रवाई को कुछ दिनों में अंतिम रूप दिया जाएगा। जनता बदलाव चाहती है और 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद यह दिखेगा।

सोमा लैशराम पर लगा प्रतिबंध हटा

इंफाल,01 अक्टूबर2023 (ए)। इंफाल स्थित नागरिक निकाय कांगलीपाक कनबा लुप (केकेएल), जिसने मणिपुरी फिल्म अभिनेत्री सोमा लैशराम पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया था, ने शनिवार को प्रतिबंध हटा लिया, जिससे 31 साल की फिल्म स्टार को बड़ी राहत मिली। केकेएल ने उन पर 16 सितंबर को दिल्ली में आयोजित एक सौंदर्य प्रतियोगिता में शो-स्टॉपर बनने के कारण प्रतिबंध लगाया था। उन्हें ऐसे आयोजनों में भाग लेने से दूर रहने की व्यक्तिगत सलाह दी गई थी, क्योंकि जातीय संघर्ष के कारण मणिपुर में तनाव का माहौल है। नागरिक निकाय ने इंफाल पश्चिम जिले के कोंगजेंग हजारी लीकाई के निवासी

सोमा को 18 सितंबर से तीन साल के लिए अभिनय करने और सामाजिक कार्यों में भाग लेने से रोक दिया। सोमा ने 150 से अधिक मणिपुर फिल्मों में अभिनय किया है और कई पुरस्कार जीते हैं। फिल्म फोरम मणिपुर (एफएफएम) और सिने एक्टर्स गिल्ड मणिपुर सहित कई नागरिक और फिल्म निकाय के प्रतिबंध का विरोध कर उनका साथ दिया। एक बयान में केकेएल ने कहा कि नागरिक निकायों के आह्वान का सम्मान करते हुए उसने सोमा पर लगाए गए प्रतिबंध को पूरी तरह से हटाने का फैसला किया है।नागरिक निकाय ने भी माना कि उन पर लगाया गया प्रतिबंध गलत था।

बंगलूरू पुलिस ने किया 854 करोड़ के साइबर ठगी का भंडाफोड़

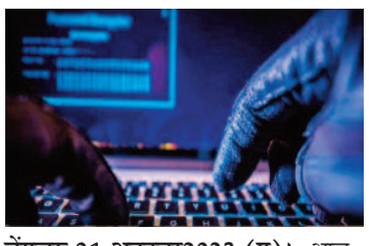

बेंगलुरु,01 अक्टूबर2023 (ए)। आज कल इंटरनेट का जमाना और इंटरनेट सभी के कामों आसान बना दिया है । जिसका इस्तेमाल कर लोग घर बैठे कई तरह के कामों को आसानी से आनलाईन निपटा कर समय और पैसे की बचत कर रहे हैं । वहीं ठगी करने वाले ठगों के लिए इंटरनेट आनलाइन ठगी का प्रमुख जरिया बन गया है जो लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। इंटरनेट के जरिए आजकल लोगों को ठगी का शिकार बनाना आम बात हो गई है। साइबर सुरक्षा अधिकारियों की सख्ती के बाद भी आए दिन लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। ऐसे ही दो अलग-अलग जगहों से मामले सामने आए हैं। पहला बंगलूरू का, जहां पुलिस ने 854 करोड़ के साइबर निवेश फ्रॉड का भंडाफोड़ किया है। वहीं दूसरी ओर, महाराष्ट्र के ठाणे में लाखों की ठगी का मामला सामने आया है।

छह लोगों को किया गिरफ्तार

एक अधिकारी ने बताया कि बंगलूरू पुलिस ने 854 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी घोटाले का पर्दाफाश कर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक निवेश योजना के बहाने देशभर में हजारों लोगों को ठगी का शिकार बनाया है। उन्होंने बताया कि ठगी की कुल राशि में से पांच करोड़ रुपये जब्त कर लिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि गिरोह व्हाट्सएप और टेलीग्राम के माध्यम से लोगों को लालच देता था। पहले लोगों से एक हजार से 10 हजार रुपये तक की छोटी राशि निवेश करने के लिए कहता था। इसके बदले उन्हें प्रतिदिन एक हजार से पांच हजार रुपये कमाने का लालच देता था।उन्होंने कहा कि लोगों ने लालच में आकर लाखों रुपये निवेश कर दिए। इनमें से हजारों पीड़ितों ने एक लाख से लेकर 10 लाख रुपये या उससे अधिक का निवेश किया। पीड़ित राशि का भुगतान ऑनलाइन करते थे,जो अलग-अलग बैंक खातों में चले जाते थे।

पर्यटकों से भरी बस गहरी खाई में गिरी

» आठ लोगों की मौत- दर्जनों घायल

उधगमंडलम (तमिलनाडु) ,01 अक्टूबर2023 (ए)। तमिलनाडु में ऊटी-मेट्टुपालयम घाट रोड पर शाम एक बस के खाई में गिर जाने से आठ पर्यटकों की मौत हो गई और 40 से अधिक अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना मारापालम के पास 9वें हेयरपिन मोड़ के पास हुई जब 57 पर्यटकों को लेकर एक बस कोयंबटूर जिले के मेट्टुपालयम जा रही थी। थेनकासी के पर्यटकों के साथ यह हादसा तब हुआ जब वे दिन भर विभिन्न पर्यटक स्थलों की यात्रा के बाद शाम को ऊटी से लौट रहे थे।

चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और परिणामस्वरूप, वह 50 फीट गहरी खाई में गिर गया। पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने बचाव अभियान चलाया और यात्रियों को बचाया। घायलों को कुन्नूर सरकारी लॉली अस्पताल ले जाया गया, जहां

उनमें से आठ को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

मृतकों की पहचान वी. नितिन, 15, एस. मुरुगेसन, 65, एस. बेबीकला, 36, देवीकला, 42, जया, 50, थंगम, 64, आर. कौसल्या, 29 और पी. मुप्पीदथी, 67 के रूप में की गई। घायलों का इलाज चल रहा है और उनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

थेनकासी से 57 पर्यटकों का एक समूह एक दिवसीय दौरे पर ऊटी आया था और विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के बाद शाम को वापस लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, लगातार बारिश के कारण क्षेत्र में मौसम बहुत खराब था और सड़कें फिसलन भरी थीं। कोहरे के कारण दृश्यता भी खराब रही. पुलिस को संदेह है कि ब्रेक फेल होने के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया।

जीतन राम मांझी को राज्यपाल या राज्यसभा का ऑफर!

» अमित शाह से मुलाकात के बाद बताया क्या रहेगी चुनावी चाल

» जीतन राम मांझी बोले- 75 की उम्र के बाद चुनावी राजनीति छोड़ देनी चाहिए

» मांझी का फैसला गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात का माना जा रहा असर

पटना ,01 अक्टूबर 2023 (ए)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक जीतन राम मांझी अब चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 75 साल के बाद नेताओं को चुनावी राजनीति छोड़ देनी चाहिए। उनकी उम्र 79 साल हो गई है ऐसे में चुनाव लड़ना उनके सिद्धांतों के खिलाफ है। मांझी ने कहा कि 75 साल के बाद किसी भी शख्स को चुनावी राजनीति नहीं करनी चाहिए, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो चुनाव लड़ते रहना चाहते हैं। लेकिन उनका प्रण है कि वे अब किसी भी तरह का चुनाव नहीं लड़ेंगे।

संतोष सुमन के चुनाव लड़ने के कयास

गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के दो दिन बाद मांझी का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कयास लगाए जा रहे है कि अगर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में हम को टिकट मिलता है तो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन चुनाव लड़ेंगे।

जीतन राम मांझी के बारे में इसके पहले भी एनडीए की ओर से राज्यसभा जाने या राज्यपाल बनाए जाने की चर्चा की जा रही थी। महागठबंधन से एनडीए में शामिल होने के समय इसकी जोरों से चर्चा हुई थी। अब अमित शाह से मुलाकात के बाद चुनाव न लड़ने की घोषणा को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

संपादकीय

यही सोच समस्या है

प्रश्न है कि उन 19 थाना क्षेत्रों को क्यों छोड़ दिया गया? एक अंग्रेजी अखबार में छपी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले लगभग पांच महीनों में मणिपुर में हुई हिंसा की तमाम घटनाओं के बीच तकरीबन 80 फीसदी वारदात उन्हीं थाना क्षेत्रों में हुई हैं।
मणिपुर में बेकाबू हालात के बीच 19 थाना क्षेत्रों को छोड़ कर बाकी पूरे राज्य को अशांत क्षेत्र घोषित किया गया है। यानी वहां सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) कानून लागू हो गया है। प्रश्न है कि उन 19 थाना क्षेत्रों को क्यों छोड़ दिया गया? एक अंग्रेजी अखबार में छपी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले लगभग पांच महीनों में मणिपुर में हुई हिंसा की तमाम घटनाओं के बीच तकरीबन 80 फीसदी वारदात उन्हीं थाना क्षेत्रों में हुई हैं। मगर इन क्षेत्रों को इसलिए बख्शा गया, क्योंकि वहां बहुसंख्यक मैतई आबादी रहती है। जबकि जिन क्षेत्रों में अफ्सपा लागू किया गया है, वे पहाड़ी इलाके हैं, जहां ज्यादतर कुकी आबादी ज्यादा है। इस संदर्भ में यह पहलू रेखांकित करने का है कि हिंसा की इस लंबी अवधि में राज्य सरकार- खासकर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर मैतई समुदाय की तरफ से काम करने के आरोप लगते रहे हैं। राज्य प्रशासन पूरी तरह नाकाम रहा है, यह बात अपने ढंग से देश का सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है। इसके बावजूद उनकी पीठ पर केंद्र सरकार का हाथ बना हुआ है। सरकार में कुकी समुदाय को निशाने पर रखने का नजरिया कितना हावी है, इसकी स्पष्ट मिसाल देखनी हो, तो न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री एस जयशंकर के दिए बयान पर गौर करना चाहिए। जयशंकर ने म्यांमार से आए शरणार्थियों को हिंसा का प्रमुख कारण बताया। इस तरह मैतई समुदाय की खुद को जनजाति घोषित कराने की मांग और उससे उपजे तनाव जैसी बुनियादी वजह की उन्होंने पूरी उपेक्षा कर दी। अगर समस्या की जड़ों में और भी गहरे झांका जाए, तो प्रमुख कारण के तौर पर संसाधनों- खासकर जमीन से जुड़ी सुरक्षा का पहलू स्पष्ट नजर आता है। जहां तक आइडेंटी पॉलिटिक्स की बात है, तो उसमें दोनों समुदाय शामिल रहे हैं। हिंदुत्ववादी संगठनों के साथ-साथ चर्च ने भी इस होड़ को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। किसी निष्पक्ष सरकार का दायित्व इन विभाजन रेखाओं और उनसे जुड़ी आशंकाओं को दूर करना होता। मगर जब सरकार खुद एक पक्ष बन जाए, तो समस्या का निकलना और दूर हो जाता है। इसीलिए अफ्सपा से भी ज्यादा उम्मीद नहीं बंधी है।

विपक्ष के तो वादे भी छोटे हैं

सोचें, नरेंद्र मोदी ने कहां से शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर 2014 में मैदान में उतरे तब काले धन का जुमला बोला था और कहा था कि विदेशों में इतना काला धन है कि अगर वापस आ जाए तो हर भारतीय के खाते में 15-15 लाख रुपए आ सकते हैं। इसके जवाब में विपक्षी नेता क्या कह रहे हैं कि जीते तो खातों में दो-दो हजार या तीन-तीन हजार रुपए डालेंगे। सोचें, कहां 15 लाख और कहां तीन हजार रू! दे तो मोदी भी दो-तीन हजार ही दे रहे हैं लेकिन उन्होंने वादा 15 लाख रू का किया था। यहां विपक्ष वादा ही दो-तीन हजार रुपए का का कर रहा है। अदानी-अंबानी से ले कर 25-50 लाख रू का क्यों नहीं कर रहा? मोदी ने किसानों को दी है छह हजार रुपए की सालाना रेवड़ी लेकिन कहा था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। इसके जवाब में विपक्षी पार्टियां क्या कह रही हैं? किसानों के लिए उनका क्या वादा है? सिर्फ इतना कि कर्ज माफ कर देंगे। क्या इससे काम चलेगा? किसानों की आय कम से कम चार गुनी कर देना का वादा करना चाहिए।
प्रधानमंत्री बनते ही 2014 के दो अक्टूबर को मोदी ने स्वच्छता अभियान शुरू किया और थोड़े दिन के अभियान के बाद घोषित कर दिया कि देश स्वच्छ हो गया और खुले में शौच से मुक्त हो गया। यह अलग बात है कि राजधानी दिल्ली में अहले सुबह बाहर निकल जाइए तो हजारों लोग बोतल में पानी लेकर शौच के लिए जाते दिख जाएंगे। मोदी के स्वच्छता के जवाब में विपक्ष के पास क्या एजेंडा है? मोदी ने हर घर शौचालय देने की बता कही थी तो 'इंडिया' के नेताओं को हर घर में टाइल्स वाले और गीजर लगे बाथरूम देने का वादा करना चाहिए, जिसमें 24 घंटे पानी की सप्लाई हो। बॉलीवुड की बड़ी अभिनेत्री को बुला कर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का अभियान मोदी ने शुरू किया। लोगों से बेटियों के साथ सेल्फी डालने की अपील की गई। लेकिन हकीकत क्या है? महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 साल की खून से लथपथ बेटी आठ किलोमीटर तक चलती रही और एक आदमी मदद के लिए सामने नहीं आया। बलात्कार का शिकार हुई नाबालिग बेटी को मंदिर के एक पुजारी राहुल शर्मा से मदद मिली। भाजपा के सांसद महिला पहलवानों से छेड़छाड़ के आरोपी हैं और हर तरह की कार्रवाई से सुरक्षित हैं। हरियाणा सरकार के भाजपा के मंत्री पर महिला कोच के यौन शोषण का आरोप है लेकिन वे मंत्री बने हुए हैं और महिला कोच पर मुकदमा चल रहा है।
मोदी ने एक सौ स्मार्ट सिटी बनाने का ऐलान किया। इसके जवाब में विपक्ष के पास क्या एजेंडा है? विपक्षी पार्टियां तो स्मार्ट सिटी में रहने वाली महिलाओं की मुफ्त में बस यात्रा कराने तक सीमित हैं। अगर उनमें हिम्मत है तो हर महिला को कार देने का वादा करें और उसमें मुफ्त पेट्रोल या डीजल की व्यवस्था करने का भी वादा करें। याद करें कैसे प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेंद्र मोदी और उनके साथ बाबा रामदेव ने पेट्रोल-डीजल की महंगाई कम करने का वादा किया था और कहा गया था कि पेट्रोल 40 रुपए लीटर बिकेगा। आज पेट्रोल एक सौ रुपए लीटर बिक रहा है। सोचें, क्या ऐसा झूठ विपक्ष का कोई नेता बोल सकता है कि सत्ता में आए तो पेट्रोल 25 रुपए लीटर बिकेगा? अगर बोल सकते हैं तो बोलें क्योंकि लोग उस पर यकीन करेंगे। मोदी और उनके समर्थकों का वादा डॉलर को 40 रुपए पर लाने का था, जो आज 84 रुपए के करीब है। विपक्ष के नेता उसे 40 से भी नीचे लाने का वादा करें तभी बात बनेगी। प्रधानमंत्री मोदी 81 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज मुफ्त दे रहे हैं। इस बारे में विपक्षी पार्टियां कुछ नहीं कह रही हैं। उनको 140 करोड़ आबादी को तीन टाइम खाना मुफ्त में देने का वादा कर देना चाहिए। जो इंदिरा रसोई एकाध राज्यों में चल रही है उसे पूरे देश में खोलने का वादा करना चाहिए। सस्ता सिलिंडर को सरकार उज्ज्वला योजना के तहत देने लगी इसलिए विपक्षी पार्टियों के पांच सौ रुपए में सिलिंडर देने के वादे का कोई मतलब नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह हर घर में पाइप से मुफ्त गैस पहुंचाने का वादा करे। हर भारतीय को पक्का छत देने का वादा प्रधानमंत्री कर चुके हैं। विपक्ष को भी वही वादा नहीं करना चाहिए। उसे रोटी, कपड़ा और मकान सब मुफ्त देने के साथ साथ गाड़ी भी मुफ्त में देने का वादा करना चाहिए। विपक्ष चाहे तो घर का साइज भी बता सकता है। चार बेडरूम से कम का घर देने का वादा किया तो फायदा नहीं होगा। सर्वशिक्षा अभियान से कुछ नहीं होना है सबको मेडिकल-इंजीनियरिंग-एमबीए की मुफ्त पढ़ाई का वादा करना चाहिए।

-हरिशंकर व्यास-

भारत-कनाडा के बीच विवादः सरल नहीं समाधान

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान ने भारत-कनाडा संबंधों को इतिहास के सबसे निम्न स्तर पर ला दिया है।
हाउस ऑफ कॉमन्स में ट्रूडो ने जिस तरह से खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता की बात कही है, उससे भारत-कनाडा संबंधों में तल्खी इस हद तक बढ़ गई है कि दोनों देश कूटनीतिक आक्रामकता पर उतर आए हैं। बात राजनयिकों से देश छोड़ने और नागरिकों के लिए परामर्श जारी करने भर तक नहीं रुकी। भारत ने तो सख्त कदम उठाते हुए कनाडाई लोगों के लिए वीजा प्रक्रिया भी रोक दी है। कनाडा से पहले इस तरह की कूटनीतिक तनातनी केवल पाकिस्तान के साथ ही रही है।
खालिस्तान का मसला भारत-कनाडा संबंधों में दरार की बड़ी वजह रहा है। भारत कनाडा सरकार से कहता रहा है कि खालिस्तानियों की गतिविधियों और उनकी फंडिंग पर रोक लगाए। लेकिन ट्रूडो सरकार ने कभी संज्ञान नहीं लिया। नतीजा यह हुआ कि कनाडा की जमीन से खालिस्तानी डायस्पोरा खुले आम भारत को चुनौती देने लगे हैं। निज्जर सिख फॉर जस्टिस में नंबर दो की हैसियत रखता था। भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण भारत ने 2019 से ही इस संगठन को प्रतिबंधित किया हुआ है। निज्जर खालिस्तान टाइगर फोर्स के नाम से भी एक गुट चलाता था। इस गुट के जरिए वह कनाडा से बाहर अमेरिका, स्विट्जरलैंड ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में स्वतंत्र खालिस्तानी राष्ट्र की मुहिम चला रहा था। जून में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के एक गुरुद्वारा परिसर में हुई गैंगवार में उसकी हत्या हो गई। ट्रूडो सरकार ने जांच समिति का गठन कर मामले की पड़ताल शुरू की। समिति की जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है, और न ही समिति ने कोई रिपोर्ट सरकार को दी है। लेकिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता की बात कह कर मामले को तूल दे दिया। हालांकि, कनाडा ने अपने आरोपों के संबंध में कोई सबूत साझा नहीं किया है लेकिन कनाडाई मीडिया से आ रहीं खबरों के मुताबिक निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोपों की खुफिया जानकारी ओटावा के 'फाइव आईज' (एंग्लोफोन इंटेलीजेंस शेयरिंग एग्रीमेंट) खुफिया नेटवर्क के एक सहयोगी देश से मिली सूचनाओं पर आधारित है। इस नेटवर्क में कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। सवाल है कि 'फाइव आईज' के किस देश ने कनाडा को यह कथित जानकारी दी है। दूसरा, जो जानकारी कनाडा को दी गई है, वो कितनी सत्य और

विसनीय है, और उसकी सूचना का स्रेत क्या है। नेटवर्क में सम्मिलित देशों के साथ भारत के हमेशा से अच्छे संबंध रहे हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि कनाडा इन देशों के साथ भारत के संबंधों में किसी तरह की गलतफहमी डालना चाहता हो।
ब्रिटेन ने कनाडा के आरोप को गंभीर बताया है। यह भी कहा है कि इस विषय पर ब्रिटेन की भारत के साथ चल रही व्यापार संबंधी चर्चा पर असर नहीं पड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया ने आरोपों पर चिंता तो व्यक्त की है पर उसकी तरफ से भारत को असहज करने वाली कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न्यूजीलैंड विवाद को दूर से देख रहा है। रही बात अमेरिका की तो अमेरिका भारत से जांच में सहयोग करने का अनुरोध कर रहा है। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने कनाडा के अधिकारियों को ऐसी जानकारी उपलब्ध करवाई है, जिससे कनाडा को यह निष्कर्ष निकालने में मदद मिली कि इसमें भारत का हाथ है। तो क्या अमेरिका भारत-कनाडा संबंधों में कोई एंगल तलाश रहा है। 2018 में ट्रूडो की भारत यात्रा के दौरान द्विपक्षीय बैठक में भी भारत ने यह मुद्दा उठाया था कि कनाडा भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। 2020 में किसान आंदोलन के दौरान भी ट्रूडो और उनकी सरकार की तरफ से बयानबाजी की गई। भारतीय राजनयिकों की हत्या करने की धमकी देने और भारत के वाणिज्य दूतावास पर हमला करने के बावजूद ट्रूडो सरकार ने अपने यहां पल रहे अलगाववादियों के खिलाफ ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जिससे भारत को भरोसा हो सके कि उसकी मांग पर कनाडा सरकार गंभीर है।
सवाल यह है कि ट्रूडो ऐसा क्यों कर रहे हैं? एक हत्या को लेकर जिसका कोई एविडेंस नहीं है, ट्रूडो भारत के साथ संबंधों को दांव पर लगा रहे हैं। कनाडा की घरेलू राजनीति में झांकें तो इसका कारण नजर आता है। कनाडा में सिख समुदाय के आठ लाख से अधिक लोग रहते हैं। यह कनाडा की कुल आबादी का 2.1 प्रतिशत है। ऐसे में कनाडा की कोई भी पार्टी सिख डायस्पोरा को नाराज नहीं करना चाहती। इसमें ट्रूडो और उनकी लिबरल पार्टी दो कदम आगे ही हैं। उन्होंने अपनी कैबिनेट में कई महत्त्वपूर्ण पदों पर सिख समुदाय से जुड़े लोगों को नियुक्त किया है। महंगाई, बेरोजगारी और संसाधनों की उपलब्धता में कमी के कारण कनाडा में ट्रूडो की लोकप्रियता लगातार कम हो रही है।
जुलाई, 2022 के एक सर्वे में ज्यादातर कैनेडियन ने कहा था कि वह पिछले 55 साल के सबसे खराब प्रधानमंत्री हैं। ऐसे में अलगाववादियों को लेकर ट्रूडो की नरम नीति अब उन्हें पूरी तरह से खुले आम समर्थन देने में तब्दील हो गई है। दूसरा ट्रूडो की सरकार इस समय बैसाखी के सहारे पर है। वे न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सहयोग से सरकार चला रहे हैं। किसी से छुपा नहीं है कि इस पार्टी के नेता जगमीत सिंह खालिस्तान समर्थक रैलियों में हिस्सा लेते रहे हैं। साफ है कि ट्रूडो ने सिख वोट बैंक के तुष्टिकरण के लिए भारत के खिलाफ विष वमन किया है। लेकिन ट्रूडो शायद नहीं जानते कि घरेलू राजनीति के लिहाज से विदेश नीति नहीं चलती है। कनाडा में करीब 13 लाख भारतवंशी रहते हैं। दोनों देशों के बीच करीब 8 अरब डॉलर का कारोबार है। भारत कनाडा का दसवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हाल में कनाडा ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए जो रणनीति जारी की है, उसमें भारत को अहम साझेदार माना है। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में भी बढ़ रहे हैं। अब भारत ने भी जिस तरह से सख्त कदम उठाते हुए वीजा प्रक्रिया रोक कर कनाडाई लोगों को आइसोलेट किया है, उसे देखते हुए भारत और कनाडा, दोनों के लिए इस मसले का हल आसान नहीं है।

-डॉ. एन.के. सोमानी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

खो गया वह सपना

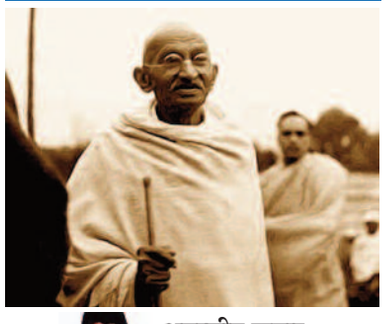

अमरजीत कुमार फरहाद
मेरठ छावनी

गाँधी जी के कठिन संघर्ष के पश्चात भारतवर्ष को स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई थी। जिसमें उनका मुख्य दर्शन सत्य और अहिंसा था। परंतु कालांतर में गाँधी जी के सपनों का भारत, इंडिया में शायद कहीं खो गया है। सत्य और अहिंसा के अपने दर्शन के बल पर ही वे संपूर्ण भारत को एक कड़ी में पिरो कर अंग्रेजों के खिलाफ अपनी लडाई को निर्णायक सिद्ध किए थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात उनके द्वारा स्थापित परंपरा के बल पर ही भारतवर्ष का अपना संविधान लिखा गया, जिसमें सभी जाति, धर्म एवं संप्रदाय से ऊपर उठकर देश हित में रामराज्य की परिकल्पना को निश्चित किया गया था। धर्मनिरपेक्षता की संकल्पना संविधान की आत्मा बनकर आज भी इस राष्ट्र में प्रतिस्थापित है। गाँधी जी के सपनों के भारत में सदैव अमन-चैन, सुख शांति एवं अन्याय के खिलाफ क्रांति की धारा में विश्वास व्यक्त किया गया था। देश के उज्ज्वल भविष्य एवं ग्राम स्वराज के लक्ष्य को उनका जीवन परिभाषित कर गया। शासन सत्ता के संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर वे सदैव देश हित के कार्यों में संलग्न रहे। आज के वर्तमान परिस्थिति में उनका दर्शन उतना ही प्रासंगिक है, जितना स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व था। राष्ट्र की गरिमामय उत्थान में उनका अतुलनीय योगदान है। भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में उनके सिद्धांतों को अपनाया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में गाँधी जी का संदेश आज भी शोध का विषय है। हिंदुस्तान की वर्तमान सामाजिक परिवेश में आपसी भाईचारे की संकल्पना धूमिल हो रही है। भारतीय जनमानस में उनके नीति और नियमों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। गाँधी जी का दर्शन आज भी प्रासंगिक है, परंतु उनके सपनों का भारत, हिंदुस्तान में कहीं खो गया है।
ऐसे में, उनकी नीतियों और विचारों को सामान्य जनजीवन के बीच ले जाने की जरूरत है क्या आज 2 अक्टूबर के दिन हम यह संकल्प ले सकते हैं ?

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

महंगाई बढ़ती जा रही है,घरेलू बचत गिरती जा रही है

आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के मध्यनजर महंगाई का लगातार बढ़ते रहना चिंता का विषय है। घरेलू बचत, महंगाई, बढ़ता व्यक्तिगत कर्ज, बढ़ते व्यक्तिगत खर्चे आदि को लेकर निम्न एवं मध्यम वर्ग परेशान है। इस परेशानी के समाधान की बजाय सत्ता एवं विपक्ष दल एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा मासिक बुलेटिन में माना है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की घरेलू बचत दर वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशकों के निचले स्तर पर पहुंच गई। 18 सितंबर को जारी इन आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में देश की शुद्ध घरेलू बचत पिछले साल की तुलना में 19 फीसदी कम रही है। 2021-22 में देश की शुद्ध घरेलू बचत जीडीपी के 7.2 फीसदी पर थी जो इस साल और घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 5 दशक के निचले स्तर 5.1 प्रतिशत पर आ गई है।
अनेक मोर्चो पर भारत की तस्वीर आशा का संचार कर रही है, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर चिन्ता का सबब लगातार बना हुआ है, हालांकि समूची दुनिया में आर्थिक असंतुलन बना हुआ है, भारत ने फिर भी खुद को काफी संभाले हुए हैं। किसी देश की अर्थव्यवस्था इस पैमाने पर भी आंकी जाती है कि उसकी घरेलू बचत, प्रति व्यक्ति आय और क्रयशक्ति की स्थिति क्या है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब पचपन फीसद की गिरावट आई और यह सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 फीसद पर पहुंच गई। वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट पर सफाई देते हुए कहा है कि लोग अब आवास और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियों में अधिक निवेश कर रहे है। इसका असर घरेलू बचत पर पड़ा है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि संकट जैसी कोई बात नहीं है। सरकार ने यह भी कहा है कि पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 फीसद आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है। परिवारों के स्तर पर वित्त वर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध संपत्ति जोड़ी गई थी। 2021-22 में लगभग सत्रह लाख करोड़ और वित्तवर्ष 2022-23 में 13.8 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय संपत्तियां बढ़ी हैं। इसका मतलब है कि लोगों ने एक साल पहले और उससे पहले के साल की तुलना में इस साल कम वित्तीय संपत्तियां जोड़ी हैं। सरकार के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वे अब कर्ज लेकर घर और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियां खरीद रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में आवास और वाहन ऋण में दोहरे अंक में वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि महामारी के बाद से लोग काफी सचेत हुए हैं। वे जोखिम वाले निवेश से बच रहे हैं। दूसरी बात बचत खातों पर ब्याज पर दर बहुत आकर्षक नहीं हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित बी-20 बैठक में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी कि ब्याज दरें बढ़ाकर महंगाई नियंत्रित करने की कीमत आर्थिक विकास को चुकानी भारी पड़ सकती है। सरकार चाहे जो तर्क दे पर घरेलू बचत गिरना कोई शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता। घरेलू बचत सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रभावी जरिया होती है। देश की कुल बचत में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाली बचत का लगातार गिरना निम्न और मध्यमवर्ग ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता की बात है।लगातार महंगाई का बढ़ना भी न केवल आमजन के लिये बल्कि सरकार के लिये चिन्ता का कारण है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुमानों से पता चलता है कि जुलाई (7.4 प्रतिशत) की तुलना में अगस्त में यह घटकर 6.8 फीसदी हो गई है। यहां तक कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई के उच्चतम स्तर पर 11.5 फीसदी से घटकर अगस्त में 9.94 प्रतिशत हो गई। इन संकेतों से भले ही राहत की सांसें मिली हो, बावजूद इसके यह अब भी ज्यादा है। यह गिरावट मुख्यतः सब्जियों की कीमतों में कमी के कारण आई है, जो जुलाई की 37.4 फीसदी की तुलना में अगस्त में 26.1 प्रतिशत थी। हालांकि अनाज और दालों में महंगाई दोहरे अंकों में बनी हुई है, जिनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर गिरावट की संभावना फिलहाल नहीं दिख रही। आरबीआई ने स्वीकारा है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। मगर अधिकारियों को महंगाई कम करने का महत्वपूर्ण काम सौंपा गया है। स्पष्ट है कि दबाव और प्रतिबंधों के माध्यम से महंगाई को काबू में करने के प्रयास काफी हद तक नाकाम रहे हैं। घरेलू आपूर्ति में कमी के कारण कई खाद्य वस्तुओं, विशेषकर अनाज व दालों में महंगाई रूकने का नाम नहीं ले रही है। गेहूं का उत्पादन गरमी और बेमौसम बारिश के कारण प्रभावित है। यही कारण है कि मई 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया। चावल के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। दालों का भी यही हाल है।
महंगाई अक्सर सत्तापक्ष के लिये राजनीतिक चुनौती बनती रही है, चुनावों में हार-जीत को बहुत गहराई से प्रभावित करने में महंगाई आधार बनती रही है। महंगाई कम करने के लिए हमें वैकल्पिक रास्ते तलाशने होंगे, जो आर्थिक विकास या किसानों के हितों को प्रभावित किए बिना उपभोक्ताओं की रक्षा करें। विकृत एवं असंतुलित बाजार व्यवस्था ने भी अनेक आर्थिक विसंगतियों को जन्म दिया है। एक आदर्श व्यवस्था का चिन्तन ही वर्तमान की आर्थिक समस्याओं का समाधान हो सकता है। वर्तमान सरकार ने गरीबी दूर करने में सफलता पाई है, लेकिन उसकी सोच अमीरी बढ़ाने की भी रही है।

-ललित गर्ग-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कहानियों के भीतर की कहानीः भारत के लोगों के खिलाफ ह्यूमन ऑफ बॉम्बे मुकदमे पर विचार

कहानी सुनाना, जैसा कि कहा जाता है, दुनिया में संचार का सबसे पुराना रूप है। गुफा चित्रों और मौखिक कथाओं से लेकर कागज के आविष्कार और फिर लिखित स्क्रॉल तक, हर नए माध्यम ने कथा के एक नए रूप को जन्म दिया है। यूरोप में, पंद्रहवीं शताब्दी में प्रिंटिंग प्रेस और चल प्रकार के आगमन से समाचार पत्रों और उपन्यास का उदय हुआ। 1890 के दशक के मोशन पिक्चर कैमरे ने फीचर फिल्मों के विकास को जन्म दिया। इंटरनेट और सोशल मीडिया के जन्म ने अब %सामग्री% की दुनिया को जन्म दिया है जहां विचित्र से लेकर लुभावनी तक - सब कुछ एक संभावित कहानी है। लेकिन इन कहानियों को कौन सुनाता है? यह वह सवाल है जो उस मुकदमे के मूल में है जो कहानी सुनाने वाले मंच ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे ने अपने सहकर्मी, पीपल ऑफ इंडिया के खिलाफ दायर किया है, जिसमें एचओबी की बौद्धिक संपदा - अर्थात् कहानी कहने के प्रारूप - को चुराने का आरोप लगाया गया है। संयोग से, ॥श्वक्क ने स्वयं एक अमेरिकी सामग्री निर्माता से प्रेरणा ली, जिसने लोगों की तस्वीरों को उनके जीवन के बारे में एक स्निपेट कहानी के साथ पोस्ट करने का प्रारूप शुरू किया। इस मामले की वैधानिकताएँ एक तरफ, विवाद इस तथ्य को रेखांकित करता है कि कहानी कहने की नैतिकता हमेशा इतनी स्पष्ट नहीं हो सकती है।
बेशक, ये रचनात्मक क्षेत्र में नई चिंताएँ नहीं हैं। उदाहरण के लिए, लेखकों पर अक्सर अन्य लोगों के जीवन को प्रभावित करने का आरोप लगाया जाता है। किसी लेखक के अन्य समुदायों के जीवित अनुभवों के बारे में लिखने के अधिकार के संबंध में भी हाल ही में बहुत बहस हुई है - एक अफ्रीकी या एशियाई चरित्र की आवाज को व्यक्त करने वाला एक श्वेत लेखक उन अनुभवों को अपनाने के लिए आलोचना का शिकार होता है जो लेखक के लिए अलग-थलग रहते हैं। हिरोशिमा और नागासाकी पर बमबारी पर रिपोर्टिंग करने वाले सहयोगी पत्रकार, इराक और अफगानिस्तान में युद्धों पर अमेरिकी रिपोर्ट, पश्चिमी फोटो जर्नलिस्टों के अफ्रीकी अकालों के विवरण कहानी

कहने के अन्य उदाहरणों में से हैं - पाठ्य या दृश्य - जिन पर विनियोग, यहां तक कि चोरी के आरोपों का सामना करना पड़ा है। ब्लॉगर्स और सामग्री निर्माताओं की भीड़ के साथ सोशल मीडिया के आगमन ने तनाव को बढ़ा दिया है। पहला फ्लैशप्वाइंट सहमति से संबंधित है। यहाँ भी, लौकिक पंक्तियाँ हमेशा काले या सफेद रंग में नहीं होती हैं। जब एक दर्शक ने पुलिस द्वारा जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या की दिल दहला देने वाली कहानी रिकॉर्ड की और उसका वर्णन किया, तो उसके पास अधिकारियों की सहमति नहीं थी। लेकिन उनकी कहानी ने अमेरिका में संस्थागत नस्लीय भेदभाव पर एक और उत्साही बहस छेड़ दी। कहानी कहने का मुद्रीकरण दूसरी दुविधा है। जैसा कि एचओबी एपिसोड में दिखाया गया है, कहानियों का सार्वजनिक उपभोग लेखक या सामग्री निर्माता के लिए लाभदायक है लेकिन नायक के लिए हमेशा ऐसा नहीं होता है। फिर, बाजार की ताकतें काम कर रही हैं- एक बार जब कोई कहानी बिक जाती है, तो वह वास्तव में किसकी होती है? नायक, लेखक, या उपभोक्ता? किसी और की कहानी बताना एक भ्रामक शिल्प है इसे नियमों के एक निश्चित सेट द्वारा निर्देशित नहीं किया जा सकता है।

-त्रिवेणी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

बापू के जन्मदिन ल अहिंसा
दिवस के रूप म मनाबो।
रघुपति राघव राजा राम
पतित पावन के गीत ल गाबो।।
स्वर्ग लोक ले उतर आइच,
चमकत दिव्य एक आत्मा।
सफेद रंग के धोतिया पहिने,
सत्य रूप दिखे विश्वात्मा।।
हाथ के लाठी ब्रह्मास्त्र तोर,
चरखा तोर चक्र के समान।
शांति के दूत तोला कहिथें,
भारत के विधाता, महान।।
टैगोर ह महात्मा कहिस तोला,
बोस कहिस तोला बापू।
भारत के तैं राष्ट्रपिता हच, सत्य
अउ अहिंसा के साधु।।
कानून के रखवाला बनके, जन
अधिकार बर करे युद्ध।
किसान अउ श्रमिकों के,
भूमिकर, भेदभाव के बिरुद्ध।।
माई लोगिन मन ल अधिकार
अउ गरीबी ले मुक्ति देवाए।
आत्मनिर्भर, एकता अउ
अपृश्यता के कार्यक्रम चलाए।।
स्वराज पाए के खातिर,
किसिम-किसिम के करे उदिम।
अंग्रेज मन के नून कानून ल
टोर के, छेड़े जबर मुहिम।।
साबरमती के संत कहाथच,
जिनगी के आध्यात्मिक गुरु।
भारत ल आजादी देवाए,
भारत छोड़व जंग करके शुरू।।

अशोक कुमार यादव
मुंगेली, छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सत्य अहिंसा के पुजारी

सत्य अहिंसा के पुजारी
तुझको मेरा नमन है
दो अक्टूबर जन्म दिन में
करते अभिनंदन है।
भारतमाता के सच्चे सपूत
राष्ट्रपिता कहाए
जनजन की आत्मा में हो
तुम बापू कहलाए।
दीन-हिन दुखियों को
तुमने ही गले लगाया
ऊंच-नीच को दूर करके,
भेद-भाव मिटाया।
स्वतन्त्रता के अग्रदूत
तुम सेनानी कहलाए
राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ा
सही राह दिखलाए।
हिन्दु धर्म व संस्कृति का,
ज्ञान तुम्ही कराए
मिट्टी को माथे लगा
स्वदेशी आंदोलन चलाए।
स्वावलंबन,आत्मनिर्भर
बनने का मंत्र दिया
अपना शासन लोकतंत्र का
सुंदर तंत्र दिया।
राम राज्य का जिन्होंने,
सुंदर सपना देखा
सुख शान्ति और समानता का
वरदान दिया।

अशोक पटेल आशु
मेघा,धमतरी छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

ओम की धूरी

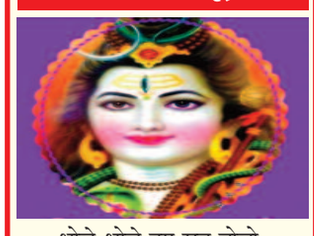

भोले-भोले तुम सब बोलो,
प्रेम की घटिया में रस घोलो,
जीवन की हर राह में भोले,
भक्ति कर भोले का हो लो।
भोले-भोले......
आज हमारे आंगन में भी,
भोले फिर-से आ जाओ,
दीप जले और दिल भी मिले हैं,
भक्ति का पाठ पढ़ा जाओ।
भोले-भोले........
बगिया में जो फूल खिले हैं,
केवड़ ,मोगर-से महके हैं,
भोले से जो प्रीत लगी तो,
वो जीवन में ना भटके हैं।
भोले-भोले ......
सांझ-सवेरे भोले बोलें,
जो भी बोलें प्रेम से बोलें,
अंतस से सब अहं को ढोलें,
अपनेपन से भोले बोलें।
भोले-भोले .....
मन-दर्पण में भोले बसाले,
सारा जीवन फिर महका लें,
ओम की धूरी पर चल कर सब,
जीवन-चक्र अभी सुधरा लें।
भोले-भोले ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इन्दौर मध्यप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

क्या निजी बैंक खाताधारकों को ठगने का काम कर रहे हैं?

- क्या इसाफ बैंक खो रहा लोगों का विश्वास?
- ग्राहकों से की जा रही है क्या धोखाधड़ी
- परिचय पत्र दिखाकर ग्राहकों को दे रहे धोखा और खाता खुलवाने के नाम पर वसूल रहे पैसा

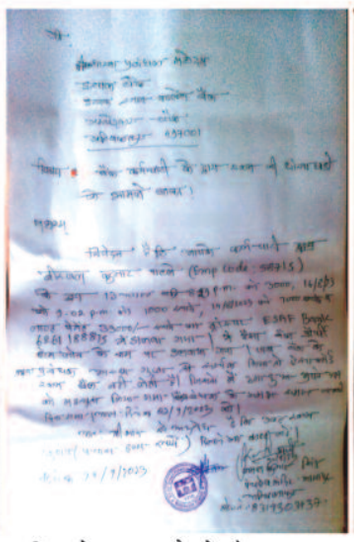

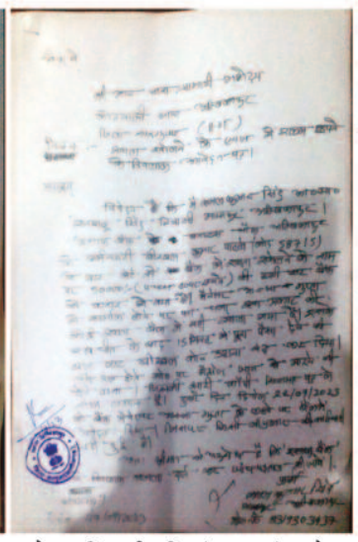

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

अपने पैसे की सुरक्षा को लेकर बैंक पर ही लोगों को सबसे ज्यादा भरोसा होता है और यदि बैंक ही धोखा देने लगे तो फिर उम्मीद किस पर करें...इस समय निजी बैंकों की बाढ़ से आ गई है और बैंक को सही तरीके से स्थापित करने के लिए खाता धारकों की जरूरत सबसे ज्यादा पड़ती है पर खाता धारक बनाने के चक्कर में कुछ निजी बैंक के धोखा भी परोस रही है, खासकर हम बात सरगुजा संभाग की करें तो यह संभाग पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में आता है और इस क्षेत्र में भोले भाले लोगों को फसना भी निजी बैंकों वालों के लिए काफी आसान हो चला है यही वजह है कि लगातार निजी बैंक अपने बैंकों में खाता धारकों की संख्या बढ़ाने के चक्कर में लोगों को ठगना शुरू कर दिए हैं, कुछ ऐसा ही मामला अंबिकापुर के इसाफ बैंक का सामने आया है जहां पर शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए थाना सहित बैंक मैनेजर को शिकायत दर्ज कराई है पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है और कब करवाई होती है यह आने वाला समय तय करेगा...पर वही इस बैंक की बात की जाए तो यह बैंक जिस तरीके से उनके कर्मचारी कृत कर रहे हैं उसे यह लगने लगा है कि बैंक लोगों का विश्वास खो रहा है। पहले लोग ऑनलाइन ठगी से परेशान थे और अब बैंक खाता खुलवाने के नाम पर ठगा जाने लगा।

ज्ञात होगी सरगुजा में प्रायः देखा गया है की प्राइवेट बैंकिंग कंपनिया ग्राहको को लुट कर करोड़ों रुपये लेकर रफू चक्कर हो गये हैं जिसकी कई शिकायतें हैं थानों में दर्ज भी होगी। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसमे अंबिकापुर का इसाफ बैंक नेहरू नगर अम्बेडकर चौक में खोला गया है। बताया जाता है कि यह डबल प्लस मल्टीनेशनल कम्पनी हैं जिसका मुख्यालय केरला राज्य में हैं। इनके कार्यकर्ता कर्मचारी बीरबल कुमार पटेल के द्वारा अपने आप को इसाफ बैंक का कर्मचारी बता कर खाता खोलने के नाम पर लोगों को ठगने का खेल खेला रहा है जैसा की एक मामला सामने आया है जिसमें शिकायतकर्ता के अनुसार एक व्यक्ति से खाता खोलने के नाम पर ऑनलाइन इसाफ बैंक के कर्मचारी द्वारा 50 हजार ले लिया। जब कुछ दिनों बाद आवेदक द्वारा रसीद व खाता नम्बर माँगा गया तो कहा गया की चैक बुक व एटीएम सब पोस्ट से आयेगा, एक माह बीत जाने के बाद आवेदक बैंक मैनेजर से जब जाकर सम्पर्क किया तो धोखाधड़ी का मामला सामने आया, इसाफ बैंक कर्मचारी बीरबल कुमार पाटले को आस्था गुप्ता ब्रांच मैनेजर द्वारा लीगल कर्मचारी मानने से भी इंकार कर दिया गया था, जब ऑनलाइन कर्मचारी के बैंक खाते में ट्रांसफर 50000/- रुपये देख ब्रांच मैनेजर के होश उड़ गये, इसके बाद तो ब्रांच मैनेज आस्था गुप्ता ने कहा आप एक आवेदन शिकायत बीरबल कुमार पाटले के खिलाफ दीजिए। दिनांक 22/09/2023 को आवेदन ब्रांच मैनेजर आस्था गुप्ता को समस्त ऑनलाइन दस्तावेज के साथ दिया गया। तत्यपश्चात आवेदक की शिकायत ऊपर बडे अधिकारी निशांत अकुंश हेड कलस्टर को भेज दिया गया, 2 दिन आवेदक को आश्वासन मिलता रहा, इस बीच इसाफ बैंक के कर्मचारी बीरबल कुमार पाटेल द्वारा फोन कर साथ ही आवेदक को धमकी भरा मैसेज भेजा जाता रहा जान से मार दूंगा धमकी दिया गया, जिसकी कॉपी आवेदक 27 अक्टूबर 2023 को थाना कोतवाली में भी इसकी जानकारी दी जो जांच का विषय है इस पूरे प्रकरण को देखकर यह भी समझा जा सकता है कि सरगुजा जैसे पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में इस प्रकार के बैंक द्वारा धोखाधड़ी करना बाहरी लोगों का बैंक के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी करना और भाग जाना यह आम होता चला जा रहा है इस तरह ईसाफ बैंक भी उसी में एक कड़ी है पुलिस प्रशासन को इस तरह के बैंकों की जांच कर हकीकत को जानकर कार्यवाही किया जाना जरूरी है।

शहर सहित आस पास के शहरों में प्राइवेट बैंकों की बाढ़ सी आई हुई है,लोग हो रहे ठगी के शिकार संभाग में शहर में साथ ही कई अन्य शहरों में प्राइवेट बैंकों की बाढ़ सी आई हुई है और जो क्षेत्र में खुली उनकी शाखाओं को देखकर समझा भी जा सकता है की किस तरह बैंकिंग संस्थाओं की भरमार है।

कुछ बैंक तो ठीक ढंग से काम कर रहे हैं लेकिन अधिकांश निजी बैंक अपने कर्मचारियों को लेकर अलग ही नियमो अनुसार चलते हैं जिसकी वजह से ही बैंकिंग क्षेत्र में लोग ठगे जा रहे हैं।

जैसा की देखा जा रहा है और जो हो भी रहा है अधिकांश प्राइवेट बैंक अपने कर्मचारियों को वेतन के आधार पर नियुक्ति नहीं देते,वह कमीशन पर नौकरी पर युवाओं को रखते हैं और कमीशन के कारण ज्यादा कमीशन मिल जाए इस कारण कर्मचारी गलत सही सभी हिसाब से अपना काम करते हैं,इस बीच आम उपभोक्ता आम इंसान उनकी ठगी का शिकार बनता है और वह उनके कमीशन का माध्यम बनता है। कई बार कर्मचारी खाता धारकों को चुना भी लगा जाते हैं और जिससे लोग परेशान होते हैं। वहीं जब मामला उलझ जाता है तब बैंक अपने कर्मचारियों से पल्ला झाड़ लेता है और आम आदमी परेशान होता है। यही मामला ईसाफ बैंक के मामले में हुआ है ,जब उसके कर्मचारी ने गड़बड़ी की और मामला बैंक के संज्ञान में लाया गया बैंक ने कर्मचारी को ही अपना मानने से इंकार कर दिया जबकि उक्त कर्मचारी के पास बैंक का आईडी और परिचय पत्र उपलब्ध है जो शिकायत के साथ संलग्न किया गया है।

प्राइवेट बैंक समूह ऋण,व्यक्तिगत ऋण मामलो में भी कर रहे गड़बड़ी,भोले भाले ग्रामीणों को ऋण के झांसे में लेकर राशि का भुगतान किसी और को करने की आ रही शिकायत प्राइवेट बैंकों की एक और शिकायत लगातार सामने आ रही है जो समूह ऋण सहित व्यक्तिगत ऋण मामले को लेकर है।

समूह ऋण व्यक्तिगत ऋण भोले भाले ग्रामीणों का प्राइवेट बैंक कर्मचारी स्वीकृत कर रहे हैं वहीं उस प्रदाय किए गए ऋण का भुगतान अन्य को किया जा रहा है,वहीं वसूली के लिए ग्रामीणों को परेशान किया जाता है जबकि उनके हांथ में ऋण राशि पहुंची भी नहीं होती है।इस तरह का खेल लगातार क्षेत्र में जारी है जैसी की सूचना मिल रही है।

भोले भाले ग्रामीणों के नाम पर समूह ऋण लेने का चलन सा प्राइवेट बैंक कर्मचारी बनाते चले जा रहे हैं अपने कमीशन के चक्कर में ,वह पहले ऋण स्वीकृत करते हैं फिर उस राशि को ऋणी से अन्य को यह कहकर दिलाते हैं की किस्त वही जमा करेगा जो ऋण राशि का उपयोग करेगा वहीं ऋण राशि का उपयोग करने वाल एक दो किस्त का भुगतान करता है फिर वह भी हांथ खींच लेता है और भोले भाले ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों के बनाए जाल में फंस जाते हैं और उन्हे फिर किस्त के लिए परेशान किया जाता है यह लगातार देखने सुनने को मिल रहा है।

यदि प्राइवेट बैंकों के कर्मचारियों की मनमानी पर नहीं लगा अंकुश,चिट फंड कंपनियों की तरह लोगों को लूटने का काम वह जारी रखेंगे। यदि समय रहते प्राइवेट बैंकों के कमीशन आधारित कर्मचारियों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो चिट फंड कंपनियों की ही तरह वह लोगों को लूटने का काम जारी रखेंगे।

अभी सरकार चिट फंड घोटाले की राशि वसूली कर वापस करने में लगी हुई है वहीं प्राइवेट बैंकों के कर्मचारियों की मनमानी नहीं रूकी तो वह बड़े स्तर पर घोटाला करेंगे जो अभी से नजर आने लगा है।सरकार वहीं संबंधित विभाग एवम जिम्मेदार अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए।

कुसमी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत
संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज ने किया श्रमदान

- संवाददाता -
कुसमी,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत कुसमी में गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहा लोगो ने शहर की सड़कों में निकलकर शासकीय कार्यालय अस्पताल सहित कई जगहों में जाकर शहर को स्वच्छ बनाने के लिए अपना श्रमदान दिया, इस अभियान में संसदीय सचिव एवं क्षेत्रीय विधायक चिंतामणि महाराज ने भी अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए और श्रमदान किया, साथ हि संसदीय सचिव ने जनपद पंचायत कार्यालय के प्रांगण में गार्डन निर्माण एवं सभाकक्ष के जीर्णधार के लिए करीब 10 लाख रुपए भुमि पूजन किया गया,कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष गोवर्धन राम,अरुण गुप्ता,अरविंद तिवारी, देवधन भगत,बालेश्वर राम ,सोनू अली,दीपक बुनकर, पुर्णिमा सेमरिया,रशीद आलम, सहित काफी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण शामिल हुए।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में व्यापक वर्षा की स्थिति

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में विकसित अवदाब के कारण पिछले दो दिनों से उत्तरी छत्तीसगढ़ सहित जिले में रूक-रूक कर बारिश हो रही है। मौसम विज्ञानी के अनुसार 3-4 अक्टूबर तक व्यापक वर्षा की स्थिति बनी रहेगी।

मौसम विज्ञानी एएम भट्ट ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में विकसित अवदाब रविवार को आगे बढ़ कर दक्षिण-पूर्वी झारखंड, इससे लगे गांगेय क्षेत्र और उत्तरी ओड़िसा पर प्रभावी है। इस अवदाब क्षेत्र के उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर झारखंड से होते हुए आगे बढने की संभावना है। इस सुस्पष्ट अवदाब के प्रभाव से झारखंड, बिहार, ओड़िसा सहित उत्तरी छत्तीसगढ़ पर अनेक जगहों में व्यापक वर्षा की स्थिति बनी हुई है। 3 से 4 अक्टूबर तक यह स्थिति बनी रहेगी। उत्तर छत्तीसगढ़ में सरगुजा संभाग के लगभग सभी जिलों में सोमवार व मंगलवार को इसका विशेष प्रभाव रहने की संभावना है। इस दौरान कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा भी देखने को मिल सकती है।

मानसून की यह है स्थिति

मानसून के वापसी की सीमा इस समय गुलमर्ग, धर्मशाला, पंतनगर, इटावा, मोरेना, सवाई माधोपुर, जोधपुर और बाड़मेर से हो कर गुजर रही है। अगले एक दो दिनों में मानसून की उत्तर भारत के बड़े भूभाग जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड सहित गुजरात और पश्चिमी मध्यप्रदेश तक वापसी की अनुकूल परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं।

अनोखी सोच ने दुर्गा पूजा की तैयारियों के संबंध में की चर्चा,सदस्यों को कार्य-प्रभार सौंपा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

रविवार को बाबा विश्वनाथ व हनुमान मंदिर बिलासपुर चौक के समीप अनोखी सोच समाज सेवी संस्था की बैठक आहूत की गई, जिसमें संस्था के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहू ने सभी सदस्यों को शहर के प्रदूषित तालाबों को जो अनियंत्रित तरीके से गणेश प्रतिमा के विसर्जन से गंदी हो गई है, उसे स्वच्छ करने का संकल्प दिलाया गया। इसी तारतम्य में जेल तालाब की आज सदस्यों द्वारा सफाई की गई। आज संस्था के काफी सदस्यों को अनोखी सोच की टीशर्ट प्रदान की गई एवं दुर्गा पूजा की तैयारियों के संबंध में वृस्तित चर्चा की गई और सभी सदस्यों को उनके कार्य-प्रभार से अवगत कराया गया। इसी सन्दर्भ में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि संस्था के लोग 13 अक्टूबर को दुर्गाजी की प्रतिमा लेने जाएंगे। आज की बैठक में मुख्य रूप से सूर्यप्रकाश साहू, अभय साहू, पंकज चौधरी, चंद्रप्रताप सिंह, मोती ताम्रकर, दिनेश गर्ग, राकेश शुक्ला, पवन पांडेय, भोला रक्सेल, बजरंग अग्रवाल, विजय बंसल, राकेश अग्रवाल, सुनील साहू, लालजी साहू,अनिल तिवारी, विकास मिश्रा, संतोष साहू, अमित जायसवाल, संजू चटर्जी, रूपेश बेहरा, राहुल शुक्ला विशाल साहू एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

व्यवसायी पिता-पुत्र ने कोयला व छड़ करोबार के नाम पर ओड़िशा के कारोबारी से की 46 करोड़ की धोखाधड़ी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

व्यवसायी पिता-पुत्र ने कोयला व छड़ का कारोबार के नाम पर ओड़िशा के छड़ कंपनी के संचालक के साथ करोड़ों रुपए का धोखधड़ी किया है। इस मामले में सरगुजा पुलिस ने एक आरोपी को यूपी के ओबरा से गिरफ्तार किया है। पीड़ित ने धोखधड़ी के मामले में 6 लोगों के खिलाफ मई 2023 में कोतवाली में अपराध दर्ज कराया था। इतने बड़े धोखधड़ी के मामले में पुलिस ने अभी तक मात्र एक आरोपी को ही गिरफ्तार कर पाया है। जबकि मुख्य आरोपी पिता-पुत्र अंबिकापुर के निवासी हैं जो कि पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं।

जानकारी के अनुसार अंबिकापुर के मायापुर निवासी केके अग्रवाल व राहुल गोयल पिता-पुत्र हैं। ये दोनों जय हनुमान कोल डिपो तथा मारूति मिनरल्स के नाम से ओड़िशा के फैक्ट्रियों में कोयला सप्लाई का काम करता है। कारोबार के दौरान इनका जन पहचान ओड़िशा राउरकेला निवासी पंकज अग्रवाल से थी। पंकज अग्रवाल गणेश रोलिंग मिल्स प्रालि ओडिशा का डायरेक्टर है और छड़ निर्माण कराकर बोकर के माध्यम से कारोबार करता है। ढ़ाई वर्ष पूर्व राहुल व केके अग्रवाल ने पंकज अग्रवाल को झांसा दिए कि सिंगरौली एमपी में ऑक्शन में कोयला खरीदी बिक्री का काम पार्टनरशीम में करते हैं। जिसमें पूंजी लगाने पर अच्छा मुनाफा दिया जाएगा। पंकज अग्रवाल पिता-पुत्र के झांसे में आकर ब्याज में रुपए उठाकर व्यवसाय शुरू कराने के लिए 1 अक्टूबर 2020 से 2 जुलाई 2021 तक 21 करोड़ 16 लाख 91 हजार 270 रुपए दिया था। वहीं छड़ सप्लाई का 5 करोड़ 62 लाख 73 हजार 826 रुपए कुल 26 लाख 79 लाख 65 हजार रुपए इनवेस्ट किया था। इनवेस्ट करने के बाद पंकज अग्रवाल द्वारा रुपए वापस मांगा गया तो पिता-पुत्र ने कहा कि सिंगरौली में कोयला करोबार में रुपए इनवेस्ट किया गया है। वापस आने पर दिया जाएगा। इसके लिए हर महीने 2 प्रतिशत ब्याज देने की बात पिता-पुत्र ने किया था। जुलाई 2021 तक हिसाब कर पिता-पुत्र ने पंकज अग्रवाल को 38 करोड़ 64 लाख 31 हजार रुपए लाभांस सहित होना बताया था। लेकिन रुपए नहीं दिए थे। रुपए मांगने पर पिता-पुत्र टाल मटोल करते रहे। वहीं पिता-पुत्र ने कोयला करोबार के नाम पर ओड़िशा के छड़ कंपनी के संचालक पंकज अग्रवाल से 38 करोड़ 46 लाख 31 हजार रुपए धोखधड़ी करने के बाद पुन- लड़ करोबार के नाम पर करोड़ों रुपए ठगी की। केके अग्रवाल ने पंकज अग्रवाल को झांसा दिया कि मेरा बेटा राहुल गोयल बोकर के माध्यम से छड़ का करोबार शुरू किया है। इस कारोबार में मदद करो तो तुम्हारा सारा पैसा वापस कर दिया जाएगा। पिता-पुत्र के जाल में फंसे पंकज अग्रवाल ने अपना करोड़ों रुपए निकलवाने के लिए छड़ का कारोबार करने के लिए भी तैयार हो गया। पंकज अग्रवाल अपने कंपनी से निर्मित छड़ को राहुल गोयल को भेजता था और राहुल अपने साला राहुल अग्रवाल निवासी ओबरा यूपी, साढू अमन अग्रवाल निवासी शक्तिनगर, दोस्त सुजित जायसवाल निवासी अंबिकापुर व पप्पू जायसवाल निवासी डालटनगंज के साथ मिलकर सस्ते दारों पर अन्य व्यापारियों को छड़ का सप्लाई कर करोड़ों रुपए का कारोबार कर अपने पास रख लिए थे। कुल ठगी 46 करोड़ से अधिक की बताई जा रही है। धोखाधड़ी से परेशान होकर ओड़िशा निवासी पंकज अग्रवाल ने मई 2023 में कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कराया था। पंकज जायसवाल के रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी केके अग्रवाल, राहुल गोयल निवासी अंबिकापुर जो कि पिता-पुत्र हैं, राहुल अग्रवाल निवासी ओबरा यूपी, अमन अग्रवाल निवासी शक्तिनगर, सुजीत जायसवाल निवासी अंबिकापुर व पप्पू जायसवाल निवासी डालटनगंज के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज कर तलाशी शुरू कर दी थी। पूरे मामले में मुख्य आरोपी पिता-पुत्र राहुल गोयल व केके अग्रवाल सहित 6 आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। कोतवाली पुलिस अब तक मात्र एक आरोपी राहुल अग्रवाल को ओबरा यूपी से गिरफ्तार कर पाई है। जबकि मुख्य आरोपी सहित एक अन्य आरोपी अंबिकापुर के ही निवासी हैं। जिसे पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी राहुल अग्रवाल के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अभियान चलाकर 50 से अधिक स्थानों पर श्रमदान कर की गई साफ-सफाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा स्वच्छता ही सेवा अन्तर्गत 1 अक्टूबर को एक तारीख एक घंटा एक साथ अभियान चलाकर जगह-जगह साफ सफाई किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से महापौर डॉ. अजय तिर्की, सभापति अजय अग्रवाल, आयुक्त अभिषेक कुमार के अलावा पार्षद द्वारा 48 वार्डों में श्रमदान के माध्यम से सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में विभिन्न समाज सेवी संस्थान, बैंक, धार्मिक संस्थान, विद्यालय के छात्र-छात्राएं चिकित्सक सहित बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही। अभियान के तहत महामाया मंदिर परिसर, गुरुद्वारा परिसर, चर्च परिसर, मस्जिद परिसर, जिला चिकित्सालय, तालाब, गुदरी बाजार, गांधीनगर पौनी पसारी, दीवान तालाब, सार्वजनिक शौचालय, उद्यान, गंगापुर मुक्तिधाम, चौक चौराहा, मोहल्ला-पारा, प्रतिक्षा बस स्टैण्ड, कृष्णकुंज, सामुदायिक भवन, मरीन ड्राइव तालाब, जेल तालाब, रुनझुन तालाब, संजय पार्क, अटल आवास, कोतवाली सहित नगर के 50 से अधिक स्थानों पर श्रमदान के माध्यम सफाई कार्य एवं जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुई।

खाट पर सोने के दौरान युवक को सांप ने डंसा,मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। खाट पर सो रहे एक युवक को सांप ने डंस लिया। परिजन ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शिवलोचन पिता जगत सिंह उम्र 35 वर्ष सूरजपुर जिले के ग्राम जोबगा का रहने वाला था। वह 28 सितंबर की रात को खाना खाने के बाद घर में ही खाट पर सो रहा था। दूसरे दिन सुबह करीब 5 बजे उसके जांघ में कुछ काटने का एहसास हुआ। उठकर देखा तो बिस्तर में सांप था। वह घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए सूरजपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अमेरिका में खास पहचान बना रहे भारतीय मूल के लोग, व्हाइट हाउस की शीर्ष अधिकारी नीरा टंडन का बड़ा बयान

वाशिंगटन,01 अक्टूबर 2023 । दुनियाभर में भारतीय मूल के लोग अपना लोहा मनवा रहे हैं। अमेरिका भी अब भारतीय-अमेरिकियों नागरिकों पर फिदा हो गए है। व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी द्वारा जारी बयान ने भारतीय मूल के लोगों का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। शीर्ष अधिकारी ने कहा, भारतीय-अमेरिकियों ने अमेरिका में अपनी पहचान बनाई है। राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन में भारतीय मूल के लोग शामिल हैं।

यूनाइटेड स्टेट्स डोमेस्टिक पॉलिसी काउंसिल की निदेशक नीरा टंडन ने शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, हमारे बीच प्रवासी भारतीयों की ताकत के आधार पर व्यक्ति-से-व्यक्ति, समुदाय-से-समुदाय नेता के बीच इतना मजबूत रिश्ता है। इंडियन हाउस, अमेरिका में भारत के राजदूत का आधिकारिक निवास है।

उन्होंने कहा, जब मैं पहली बार वाशिंगटन आई थी, तो क्लिंटन प्रशासन में कुछ ही लोग थे,जो भारतीय-अमेरिकी थे। आज भारतीय अमेरिकी पूरे प्रशासन में हैं। जब हम एआई मुद्दों के बारे में बात कर रहे हैं, तो विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय आरती प्रभाकर(एक भारतीय-अमेरिकी) द्वारा संचालित है।

नीरा ने कहा, भारतीय मूल के लोगों पर कोई भी खरोंच नहीं मार सकता

साथ ही उन्होंने कहा, जब आप दो दिन पहले लोकतंत्र पर अपने अद्भुत भाषण में राष्ट्रपति के शब्दों को सुनते हैं, तो वे शब्द विनय रेड्डी द्वारा लिखे गए हैं। वास्तव में, आप इन दिनों व्हाइट हाउस में एक पत्थर नहीं फेंक सकते हैं और एक भारतीय-अमेरिकियों को नहीं मार सकते हैं। टंडन ने इंडिया हाउस में एकत्र हुए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों की तालियों के बीच यह बात कही।

अमेरिकी सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति ने कहा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच दोस्ती 21वीं सदी की निर्णायक दोस्ती और साझेदारी में से एक है।

शाही परिवार की आधिकारिक वेबसाइट पर साइबर हमला,रूसी हैकर्स समूह ने ली जिम्मेदारी

लंदन, 01 अक्टूबर 2023। ब्रिटेन के शाही परिवार की आधिकारिक वेबसाइट पर साइबर हमला हुआ है। वेबसाइट के करीब डेढ़ घंटे तक डाउन रहने के बाद में रूसी हैकरों ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हालांकि, वेबसाइट, सिस्टम, या सामग्री तक पहुंच हासिल नहीं की गई है।

रूसी हैकर समूह किलनेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह यूक्रेन का समर्थन करने वाले देशों, खास तौर पर नाटो देशों के खिलाफ साइबर अभियानों के लिए जाना जाता है।

शाही परिवार की वेबसाइट दोपहर तक फिर से चालू हो गई। हालांकि, बकिंघम पैलेस ने साइबर हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। द टेलीग्राफ ने अपनी खबर में कहा, किलनेट के हमलों में उन वेबसाइट्स को कोई बड़ा नुकसान नहीं होता है, जिन्हें वे निशाना बनाते हैं। हालांकि, इससे कई घंटा या यहां तक कि दिनों तक रुकावट हो सकती है। किलनेट ने रविवार को सुबह 10.23 बजे टेलीग्राम पर सफल साइबर हमले के बारे में पोस्ट की।इससे पहले अखबार ने खबर दी थी कि अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधी मई में किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक के दौरान समारोह को प्रसारित करने से रोकने के लिए लाइव प्रसारण को निशाना बना सकते हैं। विशेषज्ञों ने तब चेतावनी दी थी कि प्रसारण को बाधित करने के लिए रूस और ईरान स्थित हैकर्स साइबर हमला करने में सबसे सक्षम माने जाते हैं। साल 2011 में प्रिंस विलियम और केट मिडलटन की शाही शादी को बाधित करने की हैकर्स की साजिश को मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने नाकाम कर दिया था।

तुर्किये में संसद के पास भीषण धमाका- गोलीबारी;सरकार ने बताया आतंकी हमला

अंकारा, 01 अक्टूबर 2023। तुर्किये की राजधानी अंकारा में रविवार को संसद के पास एक तेज धमाके और कई राउंड्स फायरिंग की आवाज सुनी गई। बताया गया है कि इस घटना में दो पुलिसवाले गंभीर रूप से जख्मी हो गए। गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सुबह करीब 9.30 बजे हमलावर एक वाहन में बैठकर आए। इन हमलावरों नेगृह मंत्रालय के महानिदेशालय के सामने वाले गेट पर बम से हमला कर दिया। एक आतंकी ने खुद को उड़ा लिया, जबकि दूसरे को पुलिस ने मार गिराया। इस घटना में दो पुलिसवाले घायल हो गए। बताया गया है कि हमलावरों ने जिस जगह को निशाना बनाया, वहां कई मंत्रालय हैं और संसद भी पास में ही है। आज ही तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन अपने संबोधन के साथ संसद सत्र को शुरू करने वाले थे।

ससंद से यूक्रेन के लिए अलग से फंडिंग पारित करने की मांग,बाइडन ने कही यह बात

वाशिंगटन,01 अक्टूबर 2023 । यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त की है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेन का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने शनिवार को सरकारी शटडाउन को दरकिनार कर दिया है।

रूस के साथ चल रहे यूक्रेन के संघर्ष पर बोलते हुए बाइडन ने कहा, मैं अमेरिकी संसद से यूक्रेन के लिए अलग से फंडिंग पारित करने का आह्वान करता हूं। यह बात स्टॉपगैप फंडिंग उपाय के बाद आई है। जिसमें शुरु में यूक्रेन के लिए सहायता शामिल थी लेकिन इसे हटा दिया गया था।

राष्ट्रपति बाइडन ने अमेरिकी समर्थन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, हालांकि स्पीकर और कांग्रेस का भारी बहुमत यूक्रेन के लिए अपने समर्थन में दृढ़ रहे

हैं। इस समर्थन को जारी रखने के लिए इस समझौते में कोई नई फंडिंग नहीं है। हम किसी भी परिस्थिति में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन को बाधित नहीं होने दे सकते।

नवंबर के माध्यम से सरकार को वित्त पोषित रखने के द्वि-दलीय प्रयासों को स्वीकार करते हुए, बाइडन ने हाउस रिपब्लिकन की आलोचना की, जिसे उन्होंने निर्मित संकट कहा, जिसे महीनों पहले टाला जा सकता था।

एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित सरकारी शटडाउन तब टल गया जब संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट ने संघीय सरकार के शटडाउन को रोकने के लिए अपनी समय सीमा के भीतर शनिवार शाम को स्टॉपगैप फंडिंग उपाय पारित कर दिया।

विशेष रूप से, यह अमेरिका में पहली बार सरकारी शटडाउन नहीं है। द्विदलीय नीति केंद्र के अनुसार, 1980 के बाद से अमेरिका में लगभग 14 सरकारी शटडाउन हुए हैं। आखिरी शटडाउन दिसंबर 2018 में हुआ था, जब सरकार ने 35 दिनों तक काम नहीं किया था।

'चंद्रयान की तरह अमेरिका-भारत संबंध पहुंचेंगे चांद से भी और आगे, वॉशिंगटन में बोले जयशंकर

वाशिंगटन,01 अक्टूबर 2023। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं और मोदी सरकार इसे एक अलग स्तर पर ले जाने जा रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चंद्रयान की तरह द्विपक्षीय संबंध भी मजबूत होंगे। अमेरिका-भारत संबंध चांद से भी और आगे तक जाएंगे। साथ ही उन्होंने महात्मा गांधी को याद किया।

दरअसल, विदेश मंत्री ने शनिवार को वॉशिंगटन में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित सेलिब्रेटिंग कलर्स ऑफ फ्रेंडशिप कार्यक्रम में भाग लिया था। यहां उन्होंने अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से इंडिया हाउस में एकत्र हुए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित किया। जयशंकर ने कहा कि जी-20 की सफलता अमेरिका के समर्थन के बिना नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा, 'मेजबान के रूप में, जब चीजें अच्छी होती हैं, तो मेजबान को हमेशा श्रेय मिलता है। यह उचित है, लेकिन, अगर जी-20 के सभी सदस्य इसकी सफलता के लिए काम नहीं करते तो जी-20 एक साथ नहीं आ पाता।'

गांधी जी का संदेश:- विदेश मंत्री ने कहा कि हम गांधी जी के कथन को कई बार दोहराते हैं। उन्होंने बहुत सारी बातें स्पष्टता से कहीं हैं। अब सवाल उठता है कि उनका संदेश क्या था? उनका संदेश सही काम करने, सभ्य काम करने और किसी को भी पीछे न छोड़ने के बारे में था।

दिल्ली में हुए सफल जी-20 शिखर सम्मेलन पर विदेश मंत्री ने कहा, 'गांधी जी का संदेश बहुत जटिल है, लेकिन इसका सार वास्तव में बहुत, बहुत सरल है। जब हमने जी-20 की अध्यक्षता संभाली तो कई मायनों में उनका संदेश हमारी सोच में था।' उन्होंने कहा कि वह सिर्फ इसलिए यह बात नहीं बोल रहे क्योंकि जी-20 सफल हुआ।

किसी को पीछे मत छोड़ो:- उन्होंने आगे कहा, 'जी-20 में हमने जो करने की कोशिश की, उसकी सोच यही थी कि हम भारत में क्या करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं सोचता हूं कि भारत-अमेरिका को दुनिया के साथ क्या करना चाहिए।

375 वर्षों बाद खोजा गया दुनिया का आठवां महाद्वीप,अधिकतर हिस्सा पानी में;जानें कितना बड़ा भू-भाग

जीलैंडिया,01 अक्टूबर 2023 । करीब 375 वर्षों से गायब एक महाद्वीप का हाल ही में वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। इस महाद्वीप को जीलैंडिया कहा जाता है। यह अधिकतर पानी के नीचे है। हालांकि, इसमें न्यूजीलैंड के समान द्वीपों का एक समूह शामिल है।

54.2 करोड़ वर्ष पहले अस्तित्व में था:- बता दें, जीलैंडिया मूल रूप से प्राचीन महाद्वीप गोंडवाना का हिस्सा था, जो करीब एक अरब से 54.2 करोड़ वर्ष पहले अस्तित्व में था। जीलैंडिया पर सदियों से किसी का ध्यान नहीं गया था। अब भूवैज्ञानिकों ने इसका पता लगा लिया और इसका नक्शा बनाया। उन्होंने समुद्र तल से नमूने लेकर उनका अध्ययन किया और आंकड़े जुटाए। इस अध्ययन को टेक्टोनिक्स पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

छह गुना बड़ा:- रिपोर्ट के अनुसार, जीलैंडिया एक विशाल महाद्वीप है, जो मेडागास्कर के आकार से लगभग छह गुना बड़ा है, जो 1.89 मिलियन वर्ग मील या 4.9 मिलियन वर्ग किलोमीटर को कवर करता है। यह खोजा गया आठवां महाद्वीप है। यह सबसे छोटा और पतला भी है।

संसद में शटडाउन पर वोटिंग से पहले सांसद ने दबाया फायर अलार्म,सदन में मच गई अफरा-तफरी,बैठेगी जांच

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2023 । अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य और डेमोक्रेटिक सांसद जमाल बोमन ने शनिवार को सरकारी फंडिंग बिल पर मतदान होने से कुछ समय पहले कैनन हाउस कार्यालय भवन में आग का अलार्म बजा दिया, जिसके बाद बोमन की इस हरकत पर की व्यापक आलोचना हुई। हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने इसकी तुलना 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल हिल बिल्डिंग पर हुए हमले से करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले पर हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने कहा कि हाउस एथिक्स कमेटी को इस घटना पर गौर करना चाहिए। मुझे लगता है कि मामला गंभीर है। उन्होंने कहा कि वह घटना के संबंध में जेफ्रीज़ के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह शर्मिंदगी की बात है और इस पर सजा होनी चाहिए।

क्या था पूरा मामला

दरअसल, अमेरिकी संसद में सरकारी कामकाज में 'शटडाउन' का खतरा टालने के लिए कार्रवाई चल रही थी। इस दौरान एक अहम वित्त विधेयक को पारित होना था, लेकिन सदन की कार्यवाही के दौरान फायर अलार्म बजने लगा और अफरा-तफरी मच गई।

आनन-फानन में इमारत को खाली करा लिया गया, लेकिन बाद में डेमोक्रेटिक सांसद जमाल बोमैन ने अलार्म बजाने की बात स्वीकार किया। वहीं इस फायर अलार्म बजने की वजह से पूरी इमारत को खाली कराना पड़ा।

गलती दबाया अलार्म

हालांकि, एक घंटे बाद इमारत को फिर से खोला गया, यूएस कैपिटल परिसर से जुड़े मामलों पर नजर रखने वाली सदन की प्रशासनिक समिति ने एक व्यक्ति के फायर अलार्म का बटन दबाने की तस्वीर पोस्ट की, जो बोमैन जैसा लग रहा था। वहीं, न्यूयॉर्क के सांसद बोमैन ने बाद में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने गलती से अलार्म दबा दिया था।

बोमन ने मांगी माफी

व्यापक आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बोमन ने आगे कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से आज की घटनाओं के बारे में भ्रम को दूर करना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि जब मैं वोट देने के लिए दौड़ रहा था तो एक दरवाजे की ओर पहुंचा जो कि आमतौर पर वोटिंग के लिए खुला रहता है, लेकिन सप्ताहांत के कारण बंद था।

उन्होंने कहा कि मुझे शर्म आ रही है कि मैंने गलती से यह सोचकर फायर अलार्म सक्रिय कर दिया कि इससे दरवाजा खुल जाएगा। मुझे इसका अफसोस है और इसके कारण हुई किसी भी गड़बड़ी के लिए मैं ईमानदारी से माफी मांगता हूं। इधर, कैपिटल पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

दरअसल, अमेरिकी संसद में सरकारी कामकाज में 'शटडाउन' का खतरा टालने के लिए कार्रवाई चल रही थी। इस दौरान एक अहम वित्त विधेयक को पारित होना था, लेकिन सदन की कार्यवाही के दौरान फायर अलार्म बजने लगा और अफरातफरी मच गई।

पुलिस ने दी स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी,साइबर अपराध से बचाव के लिए किया जागरूक

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी पहलू, यातायात नियमों का पालन, साईबर क्राईम से बचाव एवं महिला सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर जानकारी देने के निर्देश पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने पुलिस अधिकारियों को दिए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में बीते दिन चौकी तारा पुलिस के द्वारा ग्राम शिवनगर स्थित मिशन स्कूल में अध्ययनरत स्कूली बालक-बालिकाओं को महिला व बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विषयों तथा साइबर क्राइमों से सुरक्षित रहने के तरीकों की जानकारी दी। इस दौरान पुलिस अधिकारी ने महिला सुरक्षा से जुड़ी अभिव्यक्ति ऐप के बारे में बताया और उसे कैसे आपरेट किया जाता है उसकी जानकारी दी। बढ़ते साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए मोबाइल का सदुपयोग, अनजान व्यक्ति से संपर्क नहीं करने, बैंक खातों की जानकारी नहीं देने तथा अपने निजी

डाटा को पूरी तरह सुरक्षित रखने के बारे में जानकारी दी। छात्राओं ने पूछा कि थाना में पुलिस कार्यवाही कैसे रहती है जिस पर उन्हें पुलिस के कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने, सड़क पर घायल व्यक्ति की सहायता करने की समझाईश दी। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण सहित स्कूली छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नशे के अवैध कारोबार पर थाना प्रतापपुर पुलिस की कार्रवाई,57 हजार रूपये का गांजा जफ्त,1 गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला के निर्देशन में अवैध कारोबार करने वालों पर पुलिस लगातार कार्रवाई करने में लगी हुई है। इसी क्रम में रविवार को थाना प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति मोटर सायकल में गांजा लेकर अम्बिकापुर से वाड्रफनगर की ओर जा रहा है।

थाना प्रतापपुर पुलिस ने सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर ग्राम गणेशपुर चिटकाबहरा में घेराबंदी कर रफीक मंसूरी पिता सुलेमान गनी उम्र 23 निवासी अम्बिकापुर को पकड़ा जिसके कब्जे से 3 किलो 800 ग्राम गांजा कीमत करीब 57000 रूपये का जप्त किया है। मामले में गांजा एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर किशोर

केरकेट्टा, एएसआई मंत्रीराम मिंज, प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी, आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, राजेश तिवारी, अवधेश कुशवाहा व सहदेव राम सक्रिय रहे।

आखिरकार बैकुंठपुर विधायक को पांचवे साल क्षेत्रीय परंपराओं सहित लोक पर्वों के महत्व का एहसास हो ही गया!

करमा लोक पर्व पर बैकुंठपुर विधायक ने किया बड़ा आयोजन...किया विधिवत पूजा-पाठ

चुनावी वर्ष में सहानुभूति बटोरने के फिराक में हैं बैकुंठपुर विधायक,भोज भोजन के सहारे जीत सुनिश्चित करने की है उनकी तैयारी,लोगों के बीच है यह चर्चा

पांच सालों तक क्षेत्र से दूरी बनाकर चली आ रही विधायक की एकाएक सक्रियता लोक पर्वों क्षेत्रीय परंपराओं के प्रति उनकी सजगता कई मायनों में है सवालों के घेरे में

करमा लोक पर्व के अवसर पर विधायक ने करमा नृत्य कर भी उपस्थित महिलाओं का दिया साथ

उपवास के पारन दिवस बली भी दी गई बकरों की, बली के बकरों के साथ हुआ पारन भोज का आयोजन

पांच सालों तक विधायक ने क्यों नहीं याद किया परंपराओं को लोक पर्वों को यह भी उठ रहा सवाल

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,01 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

चुनावी वर्ष में नेताओं को सब कुछ याद आने लगता है जनता उनको भगवान नजर आने लगती है, वहीं जनता को वह खुद से जोड़ने का पूरा प्रयास पांचवे साल चुनावी साल में करते हैं, वहीं कई मामलों में वह अभिनय करके भी लोगों का दिल जीतने का प्रयास करते हैं और अपने लिए सहानुभूति लेने का भरसक प्रयास करते हैं। चुनावी साल में नेताओं को सब कुछ याद आता है, हर व्यक्ति का दुख उन्हे सपने में ही दिखाई दे जाता है वहीं लोक पर्व और क्षेत्र की परंपराएं भी उन्हे याद आन लगती हैं और वह ऐसे लोक पर्व और क्षेत्रीय परंपराओं से अपना जुड़ाव साबित करने के लिए ऐसे अवसरों पर बड़े आयोजन भी करते हैं और लोक पर्वों क्षेत्रीय परंपराओं से खुद के जुड़ाव साबित करने कोई कोर कसर न्हीं छोड़ते। वहीं नेताओं को खासकर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की यदि बात की जाए तो उन्हे अपने निर्वाचित होने के बाद के चार साल कुछ याद नहीं रहता और वह इस बीच अपनी ही यादों में अपनी ही व्यवस्थाओं एम उलझे रहते हैं और क्षेत्र में भी कम ही नजर आते हैं जो देखा जाता रहा है लेकिन जैसे ही पांचवा साल आता है कुर्सी जाने का खतरा सताता है उन्हे सबकुछ याद आने लगता है और फिर शुरू होता है सहानुभूति लेने का दौर और प्रयास।

क्षेत्र की परंपराओं को सामने रखते हैं नेता पांचवे साल लोक पर्व में उपस्थिति उनकी उनके तरफ से अनिवार्य की जाती है और जनता को यह जताने की पूरी कोशिश की जाती है की उनके लोक पर्व उनके ही हैं उनसे उनका जन्म जन्मांतर का रिश्ता है और वह इसी के साथ जीवन यापन करते चले आ रहे हैं। कुल मिलाकर यह पूरी तरह से साबित किया जाता है की जनता जनार्दन है और वह जो कुछ भी करती है या उसके जो भी पर्व उत्सव लोक आस्था से जुड़े विषय और क्षेत्रीय परंपराएं हैं सभी से उनका नाता कायम है। ऐसा ही कुछ अब बैकुंठपुर विधानसभा में भी देखने को मिल रहा है बैकुंठपुर विधायक चुनाव आते ही सक्रिय नजर आ रही हैं और उनकी सक्रियता भी आरंभ हुई है लोक पर्वों और क्षेत्रीय परंपराओं को लेकर जिसका हालिया उदाहरण देखने को मिला जब करमा लोक पर्व के अवसर पर विधायक ने वृहद आयोजन किया पूजा पाठ किया करमा नृत्य करते वह महिलाओं के साथ भी नजर आई बकरों की बली भी चढ़ाई और उसके बाद वृहद भोज का आयोजन उन्होंने क्षेत्रवासियों के लिए किया। बैकुंठपुर विधायक पांच वर्षों में जो की उनका कार्यकाल है एक विधायक के तौर पर इस दौरान पहले कभी क्षेत्र की परंपराओं से जुड़ी नजर नहीं आई लोक पर्वों में उन्होंने हिस्सा नहीं निभाया लेकिन पांचवे साल चुनावी साल उन्हे सब कुछ याद आने लगा और उन्होंने करमा पर्व पर बड़ा आयोजन कर यह जताने का पूरा प्रयास किया की यह पर्व उनका भी पर्व भी है इसको लेकर उनकी भी पूरी आस्था है उनके पूर्वज इस पर्व के साथ अपना जीवन यापन कर चुके हैं और उनका पीढ़ियों से इस पर्व से नाता है। पांच सालों में पहली बार उनकी इस तरह की लोक पर्वों के प्रति आस्था लोगों के बीच चर्चा का भी विषय रही वहीं लोगों ने इसे चुनाव की तैयारी भी कहा जो दबी जुबान से लोग कहते सुने गए।

पांचवे साल क्षेत्रीय परंपराओं सहित लोक पर्वों की याद विधायक को आना आश्चर्यजनक, लोगों ने माना चुनावी तैयारी

बैकुंठपुर विधायक अपने अब तक के कार्यकाल में जो पांचवें साल का अंतिम कुछ माह ही जिसमे बचा है में क्षेत्र में कभी लोक पर्व क्षेत्रीय परंपराओं से जुड़ती नजर नहीं आई,उन्होंने कम ही क्षेत्र में जाना पसंद किया जो उनकी लोकप्रियता जो घटी हुई आंकी जा रही है को सुनकर समझा जा सकता है। विधायक पांच सालों के अब तक के कार्यकाल में अधिकांश समय क्षेत्र से बाहर ही रहीं क्षेत्र के लोगों ने लोक पर्व की बात हो या क्षेत्रीय परंपराओं की बात कभी विधायक को अपने साथ उन्होंने खड़ा नहीं पाया,अब ऐन चुनाव के वक्त विधायक क्षेत्र की परंपराओं सहित लोक पर्व की महत्ता खुद बता रहीं हैं शामिल हो रहीं हैं खुद आयोजन कर रहीं हैं ऐसे में लोगों के बीच यह भी चर्चा है की सबकुछ चुनावी रणनीति के तहत तय कार्यक्रम है,लोक आस्था केवल इसी वर्ष याद आना इस बात का प्रमाण है की अब वक्त सभी से नजरें मिलाकर मत मांगने का है और जब पांच साल क्षेत्र से जुड़ाव रहा ही नहीं तो कैसे जनता से समाना होगा इसका रास्ता यह निकाला गया की लोक पर्व क्षेत्र की परंपराओं को आगे किया जाए उसके सहारे जनता के विश्वास को हासिल करने का प्रयास किया जाए।

लोक पर्व क्षेत्र की परंपराओं के सहारे विधायक अब अपनी अगली पारी की कर रही हैं शुरुआत,क्या वह होंगी सफल उठ रहे सवाल

बैकुंठपुर विधायक क्षेत्र की परंपरा लोक पर्व के सहारे अपनी अगली पारी की शुरुआत करने की जुगत में लग चुकी हैं,वह अब इसी के सहारे सहानुभूति लोगों से अपने लिए समर्थन की उम्मीद में हैं ऐसा अंदाजा लगाया जाने लगा है। क्षेत्र में घटती हुई लोकप्रियता से वह चिंतित थीं यह लोगों का मानना है और यही वजह है की वह अब लोगों के बीच उनके आस्था को आधार बनाकर जाना चाहती हैं और उन्हे उनकी आस्था से जोड़कर उनसे समर्थन लेना चाहती हैं। क्षेत्र में लोक पर्व क्षेत्र की परंपराओं का काफी महत्व है और लोग इसके प्रति काफी लगाव रखते हैं,वहीं विधायक यह भांप चुकी हैं ऐसा माना जा रहा है और वह इसी क्रम में लोक आस्था क्षेत्र की परंपराओं से जुड़ाव साबित करने में लगी हुई हैं,वैसे क्या उन्हे अपने कार्यकाल के पांचवे साल ऐन चुनाव के वक्त इसका लाभ मिल सकेगा क्या क्षेत्र की जनता इस झांसे में आएगी यह बड़ा सवाल है क्योंकि विधायक अब तक के कार्यकाल में लगातार क्षेत्र से दूर चली आ रही थीं जो देखा सुना और कहा जाता है।

वर्षों पूर्व यदि राज परिवार लोक पर्व पर करता था भव्य वृहद आयोजन,तब पिछले चार सालों में क्यों विधायक ने नहीं किया कोई आयोजन सवाल यह भी है

बैकुंठपुर विधायक राज परिवार की सदस्य हैं,उनके परिवार का राजनीतिक भी इतिहास है,राज परिवार वर्षों पूर्व जैसा की दावा किया गया तरगवां ग्राम में की राजपरिवार के द्वारा करमा पूजन व भोज का आयोजन किया जाता था बली प्रथा का पालन भी किया जाता था बकरों की बली दी जाती थी,वहीं करमा देव की पूजा की जाती थी और ग्राम वासियों के साथ इसे बड़े भव्य तरीके से मनाया जाता था,यदि ऐसा था भले ही बली पहली बार की गई हो पूजा पाठ सहित अन्य आयोजन यदि पहले हुआ करते थे तो राजपरिवार की सदस्य होने के नाते उन्हें इसकी याद पांचवें साल क्यों आई,उन्हे पहले क्यों नहीं यह पता चला, ऐन चुनाव के समय जब उन्हे चुनाव लडना है उन्हे याद आया क्या यह चुनावी तैयारी से जुड़ा मामला है इसलिए उन्हे याद आया यह भी सवाल है कार्यक्रम आयोजन के बाद। वैसे जैसा क्षेत्र के लोग बताते हैं कभी तरगवां में करमा पर्व का आयोजन किया जाता था यह सही है वहीं यह आयोजन राज परिवार की जमीन पर खेती करने वाले उसका रख रखाव करने वाले किया करते थे और उन्हीं के द्वारा इसे बंद किया गया वहीं यह सब कुछ राजपरिवार की जानकारी में हुआ था जिसको लेकर राजपरिवार को इस बंद प्रथा को याद करने की भी तब सूझी जब उन्हे चुनाव लडना है और वह भी चुनाव नजदीक है। पिछले कई वर्षों में उन्हे इस परंपरा की याद नहीं आई यह भी लोग सोचकर दंग हैं।

प्रशासन के अनुसार सीटी स्कैन मशीन किसी सुविधा से जरूरतमंदों को पहुंचेगा लाभ

महंगे शुल्क से मिली छुटकारा, रियायती दर पर हो रही है जांच

भ्रामक खबरों से रहें सावधान, होगी कड़ी कार्यवाही

सवाल	सवाल	सवाल	सवाल
पांच सालों तक विधायक ने क्यों नहीं याद किया परंपराओं का लोक पर्व?	क्या चुनाव करीब होने की वजह से उन्हे याद आया लोक पर्वों का महत्व,क्षेत्रीय परंपराओं का महत्व?	क्या लोक पर्वों के प्रति क्षेत्रीय परंपराओं के प्रति पांचवे साल आस्था प्रकट कर बैकुंठपुर विधायक जितना चाहती हैं चुनाव?	यदि बैकुंठपुर विधायक इतनी ही सजग थीं लोक पर्वों और क्षेत्रीय परंपराओं के प्रति उन्होंने इसके पहले क्यों नहीं किया कोई आयोजन?

ग्राम तरगवां में विधायक ने कराया करमा पूजन कार्यक्रम,बकरों की बली भी दी गई,बड़े क्षेत्र से लोगों को बुलाकर भोज भी दिया गया

यह मामला क्षेत्र की परंपरा साथ ही लोक पर्व के प्रति बैकुंठपुर विधायक की एकाएक जगी भावना से जुड़ा हुआ है जो ऐन चुनावी वक्त उन्हे याद कराता है की कभी उनका परिवार करमा पर्व में भव्य वृहद आयोजन किया करता था ग्राम तरगवां में जो कई वर्षों से बंद है। विधायक इस वर्ष वह आयोजन पुनः आयोजित कराती हैं करमा पूजन के लिए सभी विधि वह संपन्न करती हैं जवा जवारा के बुनाई से लेकर करमा पर्व दिवस बकायदा ग्राम तरगवां के राजपरिवार के भंडार क्षेत्र में पूजन कार्यक्रम संपन्न किया जाता है करमा नृत्य भी होता है,कई करमा नृत्य दल पहुंचकर प्रस्तुति देते हैं वहीं खुद विधायक भी महिलाओं के साथ करमा नृत्य कर परंपरा का पालना करती हैं,सुबह पारन कार्यक्रम भी आयोजित होता है बकरों की बली दी जाती है और एक बड़े क्षेत्र से लोगों को आमंत्रित किया जाता है जो भोज में शामिल होने पहुंचते हैं। वहीं पूरा मामला एक प्रश्न छोड़ जाता है की क्या चुनावी तैयारी तो यह आयोजन नहीं।

CMYK

जिला पंचायत उपाध्यक्ष का अपनी छोटी से निधि से बड़ा सहयोग करने का संकल्प

जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी ने अपने निधि से स्वास्थ्य सुविधा में बढ़ोत्तरी करते हुए एंबुलेंस की दी सौगात

ग्रामीण क्षेत्र के मरीज को भी अस्पताल पहुंचने में होने वाले दिक्कत से मिलेगा निजात

यदि सोच अच्छी हो तो बड़ा कार्य किया जा सकता है यह बात जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी के द्वारा चरितार्थ किया जा रहा

जिला पंचायत उपाध्यक्ष लिख रहें हैं क्षेत्र विकास की नई गाथा,जिपं विकास निधि का कर रहे सदुपयोग

अब तक जिपं विकास निधि से क्या होता था जनता जान नहीं पाती थी,वेदांती तिवारी बता रहें हैं क्या कर सकते हैं पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधि

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

यदि जनप्रतिनिधि को जनता चुन के लाती है और जनप्रतिनिधि जनता के लिए सेवा भाव से समर्पित हो जाए तो उसे ही असल जनप्रतिनिधि कहते हैं और सेवा भाव अपने जनता के लिए रखना ही जनप्रतिनिधि का कर्तव्य होता है, दृढ़ ईक्षाशक्ति साथ ही क्षेत्र के विकास की सोच को लेकर यदि कोई जनप्रतिनिधि आगे बढ़े काम करना चाहे क्षेत्र को नई पहचान दिलाना चाहे तो उसके लिए कोई बड़ी मुश्किल की बात नहीं, बस क्षेत्र सहित क्षेत्र की जनता से उसका जुड़ाव होना चाहिए,उसके प्रति लगाव होना चाहिए फिर कुछ भी असंभव नहीं, ऐसा ही कुछ कर दिखाया है जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी ने जिन्होंने यह साबित किया है की राजनीति सेवा का क्षेत्र है और यदि निर्वाचित जनप्रतिनिधि के मन में क्षेत्र की जनता के लिए सेवा भाव है तो वह कुछ भी संभव बना सकता है। कुछ ऐसा ही इस समय जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी अपने जनता से मिले आशीर्वाद को उनकी सेवा में समर्पित करते दिख रहे हैं, शुरुआती दौर में वेदांत तिवारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष बनने के बाद भी लोगों के लिए कुछ कर नहीं पा रहे थे, पर अब वेदांत तिवारी जो सेवा भाव दिखा रहे हैं शायद उसे देख कर लोगों को एहसास हो रहा है कि जनप्रतिनिधि हो तो ऐसा हो उनके पास बहुत बड़ा खर्च करने की निधि तो नहीं है पर जो छोटी से निधि है वह उसीमें जो कार्य कर रहे हैं वह सराहनीय है, पहले उन्होंने पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों को सम्मान देने का पहल किया और अब ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को अस्पताल पहुंचने में दिक्कत ना हो उसके लिए एंबुलेंस मुहैया कराई ताकि अस्पताल पहुंचने में उनके क्षेत्र के लोगों को दिक्कत न हो और अस्पताल लोगों को सकत आदेश दे दिया है कि क्षेत्र के लोगों को एंबुलेंस की सुविधा निरंतर मिलनी चाहिए ताकि अस्पताल पहुंचने के अभाव में उनके साथ कोई बड़ी घटना ना घाट सके, इस लिए जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी ने एंबुलेंस को हरी झंडी दिखा रवाना किया।

आपको बता दे की जिला पंचायत सदस्य साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष का पद निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के हिसाब से ऐसा पद कभी नहीं माना गया जो विकास को नया आयाम देता देखा गया हो, आज वेदांती तिवारी जो क्षेत्र में विकास मामले में कर रहें हैं उसको देखते हुए कहा जा सकता है की उन्होंने इस क्षेत्र में भी जान फूंकने का काम किया है इन पदों पर निर्वाचित होने की मंशा रखने वालों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है जो यह बताता है की कुछ भी संभव है यदि मजबूत इरादा है। आज वेदांती तिवारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने जिला पंचायत विकास निधि से बुढार स्वास्थ्य केंद्र को एक एंबुलेंस प्रदान किया जो उनके निर्वाचन क्षेत्र का स्वास्थ्य केंद्र है और अब स्वास्थ्य केंद्र के पास अपना एक एंबुलेंस होगा जो क्षेत्र के लोगों को उनके दुख तकलीफों के समय मदद मुहैया कराएगा। बुढार स्वास्थ्य केंद्र को एंबुलेंस प्रदान करते समय जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री शैलेंद्र सिंह, कूड़ेली, सरभोका, बुढार के सम्मानित सरपंच,पटना समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी बलवंत सिंह, ओंकार पाण्डेय, विनोद शर्मा सहित ग्राम और क्षेत्र के सम्मानित जनमानस उपस्थित रहे।

नई व्यवस्था के लिए वेदांती तिवारी को साधुवाद दिया

लोगों ने इसे बड़ी सोच और बड़े इरादों के साथ किया गया प्रयास और सौगात बताया और इस नई व्यवस्था के लिए वेदांती तिवारी को साधुवाद दिया। वहीं वेदांती तिवारी लगातार क्षेत्र में अपने निर्वाचित होने के उपरांत से सक्रिय हैं,वह हाल ही में एक नए अभियान के साथ भी कई ग्राम पंचायतों में जा रहे हैं वहां वह एक नई परंपरा कायम कर रहे हैं जिसके अंतर्गत वह उन सरपंचों का नाम अमर करने का प्रयास कर रहें हैं जिनका कार्यकाल आज भी याद किया जाता है जो दिवंगत भी हो चुके हैं,वेदांती तिवारी ऐसे सरपंचों के नाम से उनके ही ग्राम पंचायत में एक चौक का निर्माण कर रहें हैं जिस चौक में उन सरपंचों की प्रतिमा स्थापित की जाएगी जो गांव के लिए अपने कार्यकाल में कुछ बेहतर कर सके थे। यह उनके एक बेहतर प्रयास नई पहल के रूप में देखा जा रहा है सराहा जा रहा है।

जिला पंचायत विकास निधि का कैसे हो सकता है सदुपयोग,वेदांती तिवारी ने किया साबित

वेदांती तिवारी ने जिला पंचायत विकास निधि का सदुपयोग कैसे किया जाए यह साबित किया अन्य निर्वाचित जिल पंचायत सदस्यों के समाने मिसाल पेश किया। उन्होंने अपनी जिला पंचायत विकास निधि से एंबुलेंस प्रदान किया जिसकी सराहना हो रही है क्योंकि जिला पंचायत के विकास निधि का क्या उपयोग होता आया है कोई जान नहीं पाता था और इसीलिए वह निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों से ज्यादा अपेक्षा भी नहीं रखते थे,अब लोग जिला पंचायत सदस्यों से भी अपेक्षा रखेंगे की वह भी वेदांती तिवारी की तरह विकास निधि का सदुपयोग करें।

क्षेत्र की जनता के लिए किसी सौगात से कम नहीं जिला पंचायत विकास निधि से प्रदाय किया गया एंबुलेंस

वेदांती तिवारी ने स्वास्थ्य केंद्र बुढार को एंबुलेंस प्रदान किया जिला पंचायत विकास निधि से, यह एंबुलेंस क्षेत्र बुढार कूड़ेली सहित अन्य के लिए किसी सौगात से कम नहीं है, अक्सर एंबुलेंस खंड चिकित्सा केंद्र जिला चिकित्सा केंद्र को ही मिला करते थे अब वेदांती तिवारी ने एंबुलेंस स्वास्थ्य केंद्र को सीधे प्रदान किया है, बुढार का स्वास्थ्य केंद्र वैसे भी एक बड़े क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य सुविधा का केंद्र है ऐसे में इस क्षेत्र के लिए अब यह बड़ी सौगात है।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा का स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल नवापारा पोड़ी में हुआ आयोजन

अध्यन रथ छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा..शिक्षको में भी दिखा उत्साह

-संवाददाता-
चिरमिरी,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा का स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल नवापारा पोड़ी में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अध्यन रथ छात्र- छात्राओं के साथ शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी बढ़ चढ़ कर लिया हिस्सा जहाँ सभी के अंदर एक उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य श्री सुभम अग्रवाल ने बताया की राज्य सरकार के आदेश एवं हम सभी के मार्गदर्शन में मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा निकालकर मिट्टी को एकत्रित कर स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभात फेरी निकालकर लोगों को स्वच्छता जागरुकता हेतु प्रेरित किया गया और सभी उपस्थित वार्ड वासियों को साफ सफाई का अभियान भी चलाने की बात कही श्री अग्रवाल ने कहा की हम आज इसकी शुरवात विद्यालय परिसर से जरूर कर रहे है परन्तु हम सभी को अपने आप में इच्छा शक्ति दिखानी पड़ेगी और हम सभी को अपने अपने घरों से लेकर आप पास के निवास रथ परिवार जनों को भी इस अभियान के प्रति सभी को जागरूक करना होगा जो आज दिवस की तरह प्रति दिवस चलता रहे तभी इस अभियान में हम सभी सफल होंगे । इस कार्यक्रम में अध्यन रथ छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हुए पुरे विद्यालय परिसर के साथ आसपास में सफाई अभियान चलाया..इस एक दिवसीय कार्यक्रम में छात्र छात्राओं के साथ शिक्षा के मंदिर में शिक्षा देने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी हिस्सा लिया। बहरहाल कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के व्याख्याता नीरज सोनी, श्रीमती नेहा जैन, सुनीता राजवाडे, अंशुल वर्मा, बी. एन. उपाध्याय, अभिषेक शाह, डी.एन. पटेल, सत्यार्थ पाण्डेय, प्रांजली गुप्ता तथा संदीप पोद्दार तथा समस्त विद्यालय स्टाफ की विशेष सहभागिता रही।

खड़गवां मुख्यालय में कालेज के सामने निवासी जमानियां की संदिग्ध परिस्थितियों में फासी पर लटकी मिली

-संवाददाता-
खड़गवां,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

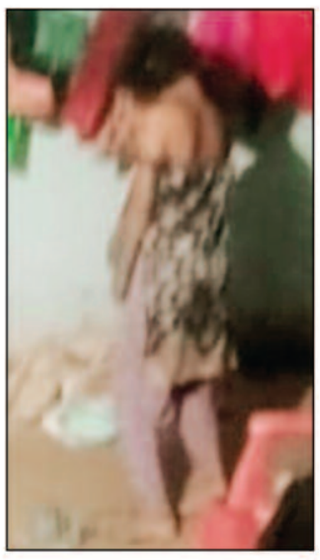

जमानियां मूल रूप से ग्राम करवा की निवासी थी जमानियां 30 वर्षीय अपने चार वर्षीय बेटे के साथ पिछले चार-पांच साल से खड़गवां कालेज के पास किराए का मकान लेकर रहती थी कुछ माह पूर्व ही जमानियां ने अपने मामा की जमीन पर अपना स्वयं का घर बनाया था जहां पर वह वर्तमान में निवास कर रही थी कि बीते 28 सितंबर की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फासी के फदे में लटकीं देखा गया जबकि मृतक महिला का पैर जमीन पर सटा हुआ था इस घटना को लेकर परिजनों एवं गांव में हो रही चर्चा में भी हत्या कर शव को लटका देने की आशंका व्यक्त की जा रही है और शरीर के ऊपर के कपड़े फटे हुए थे परिजनों ने

'स्वच्छता ही सेवा' के तहत एनटीपीसी टाउनशिप में चलाया गया स्वच्छता अभियान

-संवाददाता-
कोरबा,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

स्वच्छ भारत अभियान एक ऐसा भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन है जो भारत को स्वच्छ बनाने के लिए सहयोग कर रहा है। यह अभियान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था और महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण का सम्मान करने के लिए 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया था। इसी तारतम्य में भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार एनटीपीसी कोरबा द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा हैं। इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा- स्वच्छता ही सेवा का शुभारंभ करते हुए 01 अक्टूबर 2023 को बी रामचंद्र राव, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी कोरबा ने स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर शपथ लिया। यह कार्यक्रम एनटीपीसी कोरबा टाउनशिप के सब्जी मंडी में आयोजित किया गया 7 एनटीपीसी कोरबा ने एक जुट होकर एक घंटे के लिए श्रमदान किया। इस अवसर पर एनटीपीसी कोरबा द्वारा सब्जी मंडी में स्वच्छता अभियान भी चालाया गया तथा सब्जी मंडी के अंदर और बाहर साफ सफाई भी की गई। इस

दौरान स्वच्छता अभियान का नेतृत्व श्री बी.आर. राव, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी कोरबा,ने किया उनके साथ श्री मधु एस महाप्रबंधक (ओ एंड एम), सोमनाथ भट्टाचार्य महाप्रबंधक (प्रचलन), मनीष वी. साठे महाप्रबंधक (ऐश डाइक), प्रभात राम अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण, यूनियन और एसोसिएशन के सदस्य, एवं एनटीपीसी कोरबा टीम और एनटीपीसी के सीआईएसएफ टीम ने आपसी सहयोग के साथ मिलकर श्रमदान किया । इस मौके पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे। ज्ञात हो कि स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एनटीपीसी कोरबा में विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

बेटा ना होने से नाराज पति ने पेट्रोल डालकर पत्नी को जलाया जिंदा

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। बेटा ना होने से नाराज पति ने पत्नी को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया लगभग 80त्न जली महिला गंभीर जिला अस्पताल सूरजपुर पहुंची महिला अपने पति और सास पर लगाए गंभीर आरोप लगाया है जिले के रामानुज नगर का बताया जा रहा है पीड़ति के परिजनों के अनुसार वर्ष 2014 में महिला का विवाह रामानुज नगर में हुआ था वही शादी के कुछ सालों बाद से ही पति और घर के अन्य सदस्य महिला को पुत्र नहीं होने की वजह से लगातार परेशान करते आ रहे थे वही आज सुबह परिजनों के अनुसार महिला रेनू गुप्ता के पति लोकेश गुप्ता पेट्रोल डालकर महिला को जिंदा जला दिया वहीं घटना की जानकारी महिला के भाई और परिजनों को लगा तो तत्काल जिला अस्पताल सूरजपुर जहां उसे प्राथमिक उपचार उपरांत मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है वहीं इस पूरे मामले की जांच सूरजपुर कोतवाली पुलिस कर रही है

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छ.ग.

रा0प्र0क्र0-202308260600056 /अ-06/2022-23, ग्राम-सूरजपुर

ईश्तहार

सर्वसाधारण ग्राम-सूरजपुर के आम जनताओं को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मनमेत पिता स्व0 हरिकेश जाति घसिया निवासी बडकापारा सूरजपुर तहसील व जिला-सूरजपुर (छ0ग0) के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109,110 के तहत् ग्राम सूरजपुर स्थित भूमि खसरा नं0 1049,1050/3 रकबा क्रमशः 0.081,0.097 हे0 कुल खसरा नं0 2 प्लाट योग रकबा 0.178 हे0 भूमि के खातेदार लक्ष्मनियां पति शिवचरन जाति घसिया निवासी ग्राम सूरजपुर की दिनांक 15.10.2005 को निःसंतान फौत होने से उक्त आवेदित भूमि से स्व0 लक्ष्मनियां की नाम खाता से विलोपित कराकर वारिसान हक में फौती नामांतरण दर्ज करने हेतु खसरा, बी-1 की नकल एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति सहित प्रस्तुत करने से प्रकरण प्रारंभ किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपति हो तो दिनांक 12.10.2023 को इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिषाक के माध्यम से उपस्थित होकर आपति दावा पेश कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त आपति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । तद्नसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 27.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

सील — तहसीलदार सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा,छ.ग.

रा0प्र0क्र0/अ-6-अ /2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगधारी आ0 शिवरतन, व अन्य 03, जाति रजवार, नियासी ग्राम भकुरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115,116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की कुल खसरा नंबर 38 कुल रकबा 10.181 हे0 ग्राम भकुरा में स्थित है। उक्त भूमि में से खसरा नंबर 739/3 का रकबा त्रुटिवश 0.247 हे0 दर्ज हो गया है, जबकि सही रकबा 0.769 हे0 है। आवेदकगण द्वारा खसरा नंबर 739/3 का त्रुटिवश दर्ज रकबा 0.247 हे0 को सुधार करते हुए सही रकबा 0.769 हे0 दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपति हो तो पेशी दिनांक 16.10.2023 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिषाक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपति प्रस्तुत कर सकते है । समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा । तद्नसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 29.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

ज्योति शीर्ष और अदिति चौथे पायदान पर,

महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम क्वॉलीफिकेशन में पहले स्थान पर

हांगझोउ, 01 अक्टूबर 2023। अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम ने एशियाई खेलों की कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धा के व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में रविवार को दक्षिण कोरिया की प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि विश्व चैम्पियन अदिति स्वामी चौथे पायदान पर रही।

इन दोनों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने टीम स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

ओलिंपिक खेलों में शामिल रिकर्व वर्ग के तीरंदाजों ने भी पुरुष वर्ग में अच्छा प्रदर्शन किया।

अनुभवी अतनु दास चौथे स्थान पर रहे, प्रतिभाशाली युवा तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा पुरुष वर्ग में कट बनाने वाले छठे स्थान के साथ अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय थे।

भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को क्वालीफिकेशन में 2022 अंकों के साथ तीसरी वरीयता मिली। दक्षिण कोरिया 2048 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि चीनी ताइपै (2030) ने दूसरा स्थान हासिल किया।

एशियाई खेलों में अपने पहले पदक की उम्मीद लगाये ज्योति ने क्वालीफायर में शुरुआती 36 निशाने में सिर्फ पांच अंक गंवाये और कुल 355 अंक बनाये। उनके 16 निशाने बिलकुल सटीक लगे जबकि 15 निशाने सटीक के बेहद करीब रहे।

उन्होंने अगले 36 निशानों से 349 अंक के साथ शीर्ष स्थान पक्का किया।

ज्योति, अदिति और प्रणीत कौर (12वां स्थान) की भारतीय तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में 2087 अंक बनाये। यह स्कोर कोरिया के बराबर था लेकिन अधिक सटीक निशाने के कारण भारत को पहली वरीयता मिला।

शीर्ष वरीयता के कारण भारतीय टीम को शुरुआती दौर में बाई मिली है। टीम अपना अभियान हांगकांग और बांग्लादेश के बीच होने वाले मैच के विजेता के खिलाफ शुरू करेगी।

पुरुषों के रिकर्व वर्ग में दो बार के ओलंपियन अतनु चौथे स्थान (678) के साथ शीर्ष भारतीय रहे। धीरज ने 675 अंक बनाये। तुषार शेलके 15वें स्थान पर रहे और एलिमिनेशन दौर में जगह बनाने से चूक गये। वह टीम स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे।

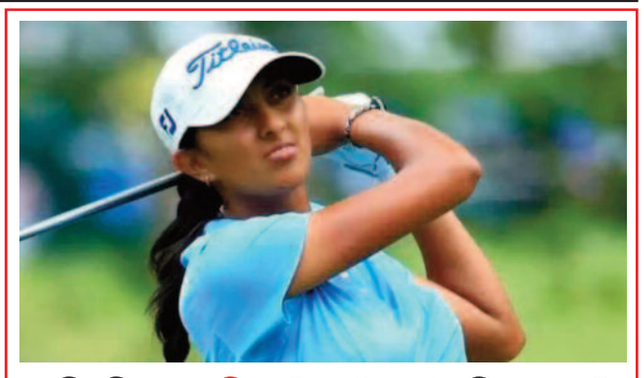

अदिति आखिरी दौर में फिसली

महिला गोल्फ में रजत से होना पड़ा संतुष्ट

हांगझोउ, 01 अक्टूबर 2023। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक एशियाई खेलों की महिला गोल्फ स्पर्धा के आखिरी दिन रविवार को यहां अपनी लय बरकरार नहीं रखी सकी और 73 का निराशाजनक कार्ड खेलकर रजत पदक अपने नाम किया। महिला गोल्फ में यह भारत का पहला पदक है।

अदिति के पास तीसरे दौर के बाद तालिका में शीर्ष पर सात शॉट की बड़ी बढ़त थी। उन्होंने एक बर्डी के मुकाबले चार बोगी और एक डबल बोगी कर के इस बढ़त को गंवा दिया और दूसरे स्थान पर खिसक गयी।

इस पच्चीस साल की खिलाड़ी का कुल स्कोर 17 अंडर 271 रहा। थाईलैंड की अर्पिचया युबोल ने सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ 64 का कार्ड खेल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कोरिया की ह्युनजो यू ने भी 65 का शानदार कार्ड खेलकर कांस्य पदक जीता।

इस स्पर्धा में भाग ले रही भारत की दो अन्य महिलाएं प्राणवी उर्स (13वां स्थान) और अवनी प्रशांत (संयुक्त 18वां स्थान) ने भी आखिरी दिन निराशा किया। प्राणवी ने 75 जबकि अवनी ने 76 का कार्ड खेला जिससे भारत टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर खिसककर पदक से चूक गयी।

अदिति स्वर्ण पदक से चूक गयी लेकिन दो बार की इस ओलंपिक खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। वह तोक्यो ओलंपिक में भी मामूली अंतर से पिछड़ कर चौथे स्थान पर रही थी।

यह गोल्फ में भारत का चौथा व्यक्तिगत पदक था। लक्ष्मण सिंह और शिव कपूर ने 1982 और 2002 सत्र में स्वर्ण पदक जीता था जबकि राजीव मेहता ने नयी दिल्ली (1982) में रजत पदक जीता था।

लक्ष्मण, राजीव, ऋषि नारायण और अमित लूथरा की भारतीय टीम ने 1982 में टीम स्वर्ण पदक जीता था। भारत ने दोहा और ग्वांगझू में 2006 और 2010 सत्र में टीम स्पर्धा का रजत पदक हासिल किया था।

मुक्केबाज परवीन ने एशियाई खेलों में पदक के साथ ओलंपिक कोटा सुनिश्चित किया

हांगझोउ, 01 अक्टूबर 2023। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाकर एशियाई खेलों में पदक सुनिश्चित करने के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया।

विश्व चैम्पियनशिप में 63 किग्रा में पदक जीतने वाली परवीन ने रविवार को उज्बेकिस्तान की सितोरा तर्डिबेकोवा को सर्वसम्मत फैसले से हराया। इस मुकाबले में मौजूदा एशियाई चैंपियन शुरू से ही अपने लय में दिखी। उन्होंने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए 21 साल की प्रतिद्वंद्वी को बाएं और दाएं दोनों ओर से मुक्के जड़े। परवीन ने शुरुआती दौर में आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन इसके बाद तर्डिबेकोवा को अपने करीब आने का मौका दिया और फिर सटीक पंच जड़े।

तर्डिबेकोवा ने भी इस दौरान कुछ अच्छे मूव बनाकर परवीन को पंच जड़े लेकिन यह काफी नहीं था।

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) पहले ही अपने-अपने वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

महिला वर्ग में 50 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा और 60 किग्रा में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले और 66 किग्रा तथा 75 किग्रा में फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को पेरिस ओलंपिक का कोटा मिलेगा ।

पुरुष वर्ग में सात वजन वर्गों से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को ओलंपिक कोटा मिलेगा।

भारत ने आठ साल बाद पाकिस्तान को हराकर

पुरुष टीम स्क्वॉश स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2023। अभय सिंह ने उतार चढ़ाव भरे मैच में गजब का संयम दिखाते हुए नूर जमां को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी फतह हासिल की जिससे शीर्ष वरीय भारत ने यहां एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्क्वाश स्पर्धा में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। टूर्नामेंट शुरु होने से पहले भारतीय पुरुष टीम के आठ साल बाद शीर्ष स्थान पर रहने की उम्मीद थी जिसमें उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती मलेशिया और पाकिस्तान की थी। सौरव घोषाल की अगुआई वाली टीम इन दोनों प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती से निपटकर सोना हासिल करने में सफल रही।

स्वप्ना पदक की दौड़ से बाहर अमलान

पुरुष 200 मीटर सेमीफाइनल में

हांगझोउ, 01 अक्टूबर 2023। गत चैंपियन भारत की हेप्टाथलन खिलाड़ी स्वप्ना बरमन चोटों से जूझने के कारण रविवार को यहां भाला फेंक स्पर्धा के बाद एशियाई खेलों की हेप्टाथलन स्पर्धा से पदक की दौड़ से लगभग बाहर हो गई।

भाला फेंक में 52.55 मीटर का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली स्वप्ना दो दिवसीय कड़ी प्रतियोगिता की इस स्पर्धा में 45.13 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास ही कर सकीं। सात स्पर्धाओं की इस प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक स्पर्धा बची है। स्वप्ना ने 2018 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक

जीतने वाली पहली भारतीय हेप्टाथलन खिलाड़ी बनने के दौरान जो दो स्पर्धाएं जीती थी उनमें भाला फेंक भी शामिल था। कुल मिलाकर स्वप्ना 4840 अंक के साथ चौथे स्थान पर चल रही हैं। वह अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन की जिंगयी ल्यु से 11 अंक पीछे है। सात स्पर्धा की इस प्रतियोगिता में अब सिर्फ 800 मीटर दौड़ बची है।स्पर्धा में हिस्सा ले रही एक अन्य भारतीय नंदिनी अगासरा भाला फेंक में 39.88 मीटर के प्रयास के बाद पांचवें स्थान पर चल रही हैं।

रियल कबड्डी सीजन 3 के फाइनल में जयपुर

जगुआर का मुकाबला सिंह सूरमा से होगा

जयपुर,01 अक्टूबर 2023। जयपुर जगुआर और अरावली ईगल्स के बीच रियल कबड्डी लीग सीजन 3 का सेमीफाइनल निश्चित रूप से उम्मीदों पर खरा उतरा, जिससे प्रशंसकों को एक गहन और करीबी मुकाबले का मौका मिला। दोनों टीमों ने अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में स्कोर बराबरी पर रखा। हालाँकि, प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जयपुर जगुआर पहले हाफ के अंतिम क्षणों में अरावली ईगल्स के खिलाफ एक सफल ऑल-आउट करके खेल पर नियंत्रण हासिल करने में कामयाब रहा।

इस रणनीतिक कदम ने उन्हें 4 अंकों की बढ़त लेने की अनुमति दी क्योंकि टीमें हाफटाइम में आगे बढ़ीं, स्कोर जयपुर जगुआर के पक्ष में 17-13 था। पिछले साल की तीसरी उपविजेता जयपुर जगुआर ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन किया, पहले हाफ से अपनी तीव्रता बरकरार रखी और अपनी गति का फायदा उठाया। अपनी बढ़त को बढ़ाने और अरावली ईगल्स के खिलाफ दूसरी बार ऑल-आउट हासिल करने की टीम की क्षमता ने उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अंततः उन्हें फाइनल में जगह मिली। जयपुर जगुआर के अनिल असाधारण खिलाड़ी थे, जिन्होंने खेल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। उनके 17 अंक, जिसमें 16 रेड अंक और 1 टैकल अंक शामिल थे, उनकी टीम की सफलता में सहायक थे।

इसके अतिरिक्त, परवीन बीरवाल के 7 अंकों के योगदान ने, जिसमें 2 रेड अंक और 5 टैकल अंक शामिल हैं, टीम के प्रयासों को बहुमूल्य समर्थन प्रदान किया। दूसरी ओर, अरावली ईगल्स के प्रयासों के बावजूद, वे जगुआर के प्रदर्शन की बराबरी नहीं कर सके, जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता था, जिससे उन्हें 44-21 के अंतिम स्कोर के साथ हार का सामना करना पड़ा। इस जीत ने फाइनल में जयपुर जगुआर की स्थिति मजबूत कर दी और उनकी मजबूत टीम वर्क और व्यक्तिगत प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दूसरे सेमीफाइनल में, पिछले साल के खिताब विजेता शेखावाटी किंग्स का मुकाबला सिंह सूरमा से हुआ। पहले हाफ में, दोनों टीमें सावधानी से खेल में उतरीं और इसमें शामिल दांवों से पूरी तरह वाकिफ थीं। सिंह सूरमा के पक्ष में हाफटाइम स्कोर 13-12 ने मैच की करीबी प्रतिस्पर्धा का संकेत दिया। इस दौरान कोई भी टीम दूसरे पर दबदबा कायम नहीं कर सकी. हालाँकि, दूसरे हाफ में खेल की गतिशीलता काफी बदल गई। तीव्रता और कौशल का स्तर बढ़ गया, जिससे यह प्रशंसकों के लिए एक आनंददायक तमाशा बन गया। सिंह सूरमा के हेमन्त चौहान असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे। दूसरे हाफ के बीच में एक ही रेड में 3 अंक हासिल करने की उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि ने न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमता का प्रदर्शन किया, बल्कि सिंह सूरमा को एक महत्वपूर्ण लाभ भी प्रदान किया। इस उपलब्धि ने सिंह सूरमा को 7 अंकों की बढ़त दिला दी, जो खेल में कौशल और रणनीति के प्रभाव को उजागर करता है।

मैच के महत्वपूर्ण क्षणों में, गत चैंपियन शेखावाटी किंग्स ने अपनी लचीलापन और लड़ाई की भावना का प्रदर्शन किया। उनके स्टार खिलाड़ी लक्ष्य मलिक ने शानदार वापसी की। दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने बढ़त को केवल 3 अंक तक सीमित कर दिया और फिर, कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए, घड़ी में केवल 4 मिनट शेष रहते हुए अपनी टीम को 1 अंक की बढ़त हासिल करने में मदद की। दर्शक अपनी सीटों पर खड़े थे क्योंकि शेखावाटी राजा अविश्वसनीय वापसी के कगार पर थे। हालाँकि, सिंह सूरमा ने मैच के अंतिम मिनटों में असाधारण टीम वर्क और रणनीतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शेखावाटी राजाओं के खिलाफ बिल्कुल सही समय पर ऑल-आउट करते हुए, उन्होंने नियंत्रण हासिल कर लिया और अपनी जीत पक्की कर ली। इस निर्णायक कदम ने न केवल दबाव में सिंह सूरमा के संयम को प्रदर्शित किया, बल्कि महत्वपूर्ण क्षणों को भुनाने की उनकी क्षमता को भी उजागर किया। इस कड़ी जीत के साथ, सिंह सूरमा ने जयपुर जगुआर के खिलाफ फाइनल में अपनी जगह बना ली, जिससे चैंपियनशिप खिताब के लिए एक गहन लड़ाई का मंच तैयार हो गया। अंतिम स्कोर सिंह सूरमा के पक्ष में 37-29 था; सिंह सूरमा के श्री भगवान राठी ने अपने 10 अंकों के कारनामे के लिए मैन ऑफ द मैच जीता। यह मैच खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए भावनाओं का एक रोलर-कोस्टर था, जो खेल की अप्रत्याशित प्रकृति को दर्शाता था। अब, सभी की निगाहें फाइनल पर हैं क्योंकि सिंह सूरमा जयपुर जगुआर के खिलाफ मुकाबला करने की तैयारी कर रहे हैं, जो चैंपियनशिप खिताब के लिए एक रोमांचक और गहन लड़ाई का वादा करता है।

बेटी राजेश्वरी की पदक जीत पर रणधीर ने कहा,यह मेरे लिए बड़ी बात

हांगजो,01 अक्टूबर 2023। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष रणधीर सिंह ने एशियाई खेलों में अपनी बेटी की पदक जीत और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने पर खुशी व्यक्त की। पदक मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए, रणधीर सिंह ने कहा, ÷मैं वास्तव में खुश और उत्साहित हूं (अपनी बेटी के पदक जीतने को लेकर)। मैं राष्ट्रपति बनने के बाद से खेलों में उसके आने का इंतजार कर रहा हूं। यह एक बड़ी बात है।÷ मेरे लिए बात।÷ विशेष रूप से, सिंह खुद पांच बार के शूटिंग ओलंपियन हैं, जिन्होंने 1978 में बैंकॉक में एशियाई खेलों में पुरुष ट्रैप में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय निशानेबाजी के भविष्य पर ओसीए अध्यक्ष ने कहा कि यह उज्ज्वल है, खासकर पेरिस में 2024 ओलंपिक से पहले।

हम बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एसोसिएशन (नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया) कम से कम 20 पदकों की उम्मीद कर रहा था। हमने ऐसा किया है। हमारे पास अभी भी एक या दो पदक आने बाकी हैं। यह एक जबरदस्त प्रदर्शन रहा है। हर मामले में निशानेबाजी के अनुशासन में, हमने पदक जीता है, यह बहुत खुशी की बात है। भविष्य उज्ज्वल है, खासकर ओलंपिक के लिए, हम यही उम्मीद कर रहे हैं,÷ उन्होंने कहा। मनीषा कीर, प्रीति रजक और राजेश्वरी कुमारी की भारतीय निशानेबाजी तिकड़ी ने चल रहे एशियाई खेलों में निशानेबाजी में देश का शानदार प्रदर्शन जारी रखा, क्योंकि उन्होंने रविवार को हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया।

राजेश्वरी ने खुलासा किया कि पदक मैच से पहले वह अस्वस्थ थीं लेकिन यह तथ्य कि वह टीम पदक के लिए खेल रही थीं, प्रेरणा के रूप में काम आया। ÷मैं अस्वस्थ था और पिछले तीन दिनों से बुखार था। यह एक दिलचस्प प्रतियोगिता रही है क्योंकि यह पहली बार है जब मैं किसी प्रतियोगिता के दौरान अस्वस्थ था। टीम इवेंट होने से आप अंत तक प्रेरित होते हैं क्योंकि आप छोड़ना नहीं चाहते हैं क्योंकि राजेश्वरी ने कहा, ÷हर किसी के लिए एक पदक दांव पर है। मेरे कोच और फिजियो सलोनी, जिन्होंने मुझे ठीक से दवा दी।÷

उन्होंने यह भी कहा कि मैच के दौरान अपनी मां द्वारा देखे जाने पर उन्हें घबराहट महसूस होती थी और उन्हें अपने पिता के दर्शकों के बीच रहने की अधिक आदत है। ÷मुझे अपने पिता के सामने खेलने की अधिक आदत है। वह आते हैं और मुझे दिल्ली में खेलते हुए देखते हैं। मैं अपनी मां के आसपास अधिक घबरा जाता हूं, जो प्रार्थना करना शुरू कर देती हैं और मेरा राउंड नहीं देखती हैं। मैं उनके लिए और अधिक डरा हुआ था। मैंने सोचा कि ऐसा होगा दबाव में रहें क्योंकि वह राष्ट्रपति हैं, सिर्फ मेरे पिता नहीं। मैंने अपने पिता से कहा कि अगर मैं क्वालीफाई कर लूं तो फाइनल के आखिरी दिन आकर खेल देखें। लेकिन उन्हें छह घंटे पहले दूसरों को सूचित करना था, इसलिए उन्हें बाहर कर दिया गया। बाकी सभी लोग आये, उसने कहा। राजेश्वरी ने कहा कि उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी दो साल पहले शुरू कर दी थी. रणधीर ने अपनी बेटी को बहुत ही सरल सलाह दी थी कि वह अपना सिर नीचे रखें, शूटिंग करें और अपने खेल का आनंद लें। ÷मेरी उसे सलाह है कि अपना सिर नीचे रखें और शूटिंग का आनंद लें। उसे शूटिंग करने में मजा आता है और वह इसे अच्छे से करती है। अगर आपको किसी चीज में मजा आता है,तो उसे करें।

संजय दत्त का सेंस ऑफ ह्यूमर अनरियल है : सुनील शेट्टी

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी जल्द ही स्टार वर्सेज फूड सर्वाइवल नामक शो के अपकमिंग सीजन में नजर आएंगे। उन्होंने अपने को-स्टार संजय दत्त और सेलिब्रिटी शेफ रणवीर बरार के साथ काम करने का अनुभव साझा किया है। सुनील ने कहा कि संजय में हास्य की अवास्तविक समझ है। एक्टर ने साझा किया कि उन्हें संजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार लगता है, क्योंकि दोनों के बीच शूटआउट एट लोखंडवाला, एलओसी : कारगिल, दस, काटे और अन्य फिल्मों में सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है।

एक्टर ने बताया, संजय दत्त के साथ काम करना हमेशा अद्भुत होता है। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर अवास्तविक है। हम ऐसे दोस्त हैं जिनकी आपस में बहुत अच्छी बनती है और हम एक-दूसरे के साथ बहुत सहज हैं।शूटिंग आरामदायक है। जब हम एक साथ शूटिंग कर रहे होते हैं तो सेट पर खुशमिजाज वाला माहौल बन जाता है। संजय बड़े दिल वाले हैं और चीजों को वैसे ही कहते हैं, जैसे वे हैं।शो में सुनील शेट्टी, संजय दत्त, अपारशक्ति खुराना, मौनी रॉय और नकुल मेहता जैसे सेलिब्रिटी मेहमान होंगे।

रणवीर दो यूनिक भारतीय जगहों कूर्ग और स्पीति की जर्नी करेंगे। यह शो प्रत्येक व्यंजन के स्वाद और उसके पीछे की कहानियों को उजागर करने का वादा करता है।

संजय और रणवीर के बारे में बात करते हुए, सुनील ने आगे कहा, वह कभी-कभी बहुत प्यारे होते हैं क्योंकि वह इतने ईमानदार हैं कि उन्हें इस बात का एहसास नहीं होता कि वह जो कहते हैं उसका असर क्या हो सकता है।

वह अत्यंत ईमानदार हैं। शो की खूबसूरती दो एक्शन हीरो और वे उस जंगल में क्या देखते हैं, यह है। एपिसोड की शूटिंग करना एक शानदार अनुभव था। रणवीर बरार असाधारण प्रतिभा हैं। वह स्वास्थ्य और फिटनेस को परिभाषित करते हैं।

स्टार वर्सेस फूड सर्वाइवल का प्रीमियर 9 अक्टूबर, 2023 को डिस्कवरी प्लस और डिस्कवरी चैनल पर होगा।

'हम तुम्हें चाहते हैं' 13 अक्टूबर को रिलीज होगी

एसआरजी फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले गोविंद बंसल और रेमा लाहिड़ी द्वारा निर्मित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'हम तुम्हें चाहते हैं' 13 अक्टूबर को रिलीज होगी। राजन लायलपुरी द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म से नवोदित अभिनेता जन्मेजय सिंह बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। 'हम तुम्हें चाहते हैं' में जन्मेजय सिंह ने मुख्य किरदार निभाया है जो खुद को एक प्रफुल्लित करने वाले और जटिल प्रेम त्रिकोण में पाता है।

फिल्म उन हास्यप्रद और हृदयस्पर्शी स्थितियों की पड़ताल करती है जो तब उत्पन्न होती है जब वह दो आकर्षक महिलाओं के बीच फंस जाता है। जिसे प्रतिभाशाली अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता और अनुस्मृति सरकार ने जीवंत किया है। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म प्यार और हंसी का एक आनंदमय मिश्रण पेश करने का वादा करती है।

प्रभास-स्टारर सालार पार्ट 1-सीजफायर की टक्कर शाहरुख की डंकी से

आदिपुरुष की असफलता के बाद, प्रभास के फैंस उनकी अपकमिंग फिल्म सलार की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. केजीएफ फेम प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी सलार एक एक्शन थ्रिलर है. पहले, मेकर्स ने अनाउंसमेंट की थी कि फिल्म 28 सितंबर को रिलीज होगी. हालांकि, मेकर्स ने फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन पर काम करने का फैसला लेते हुए रिलीज को पोस्टपोंड कर दिया. वहीं 29 सितंबर को प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स ने आखिरकार फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है और इसके मुताबिक ये फिल्म शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म डंकी से क्लैश करेगी.

29 सितंबर को यानी आज होम्बले फिल्म्स ने प्रभास स्टारर सलार की नई रिलीज की तारीख एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अनाउंस कर दी. उन्होंने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया और लिखा, जल्द ही आ रहा है! सलार सीज फायर वर्ल्डवाइड रिलीज 22 दिसंबर, 2023 को.

सलार इस साल के अंत में क्रिसमस वीकेंड के दौरान सिनेमाघरों में शाहरुख खान की डंकी से क्लैश करेगी. पिछले साल 'डंकी' रिलीज की अनाउंसमेंट करते हुए राजकुमार हिरानी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था, शाहरुख खान आखिर हमने एक साथ फिल्म बनाने का फैसला ले ही लिया. डंकी की अनाउंसमेंट करते हुए बेहद एक्साइटेड हूं. अगले क्रिसमस पर आपके पास आ रहा हूं. 22.12.23 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी.

बता दें कि डंकी में शाहरुख खान के अपोजिट तापसी पन्नू नजर आएंगीं.

वैसे साल 2023 शाहरुख खान के लिए शानदार साबित हुआ है. किंग खान की 'पठान' और 'जवान' इस साल पहले से ही ब्लॉकबस्टर हो चुकी हैं. जहां पठान का लाइफटाइम कलेक्शन 543.5 करोड़ रुपये रहा था तो वहीं 'जवान' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और इसने रिलीज के 22 दिनों में 581.43 करोड़ रुपयों की शानदार कमाई कर ली है और अब ये 600 करोड़ का आंकड़ा पार करने की ओर तेजी से बढ़ रह है.ऐसे में उम्मीद है कि 'डंकी' भी बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचेगी.

बस्तर आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मांग

नगरनार स्टील प्लांट का निजीकरण न करे केंद्र

» कांग्रेस ने आज बस्तर बंद से मोदी के स्वागत का किया ऐलान

रायपुर,01अक्टूबर2023(ए)। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार बस्तर के नगरनार स्टील प्लांट के निजीकरण के विरोध में है। प्रधानमंत्री तीन तारीख को बस्तर में नगरनार संयंत्र के उद्घाटन के लिए आ रहे हैं। नगरनार संयंत्र के लिए बस्तर के किसानों, और आदिवासियों ने जमीन दी थी। हमने केंद्र सरकार को लिखकर दिया था कि यदि केंद्र सरकार नगरनार स्टील प्लांट नहीं चला सकती तो राज्य सरकार को दे दे। राज्य सरकार नगरनार स्टील प्लांट को खरीदने को तैयार है। इस संबंध में हमने विधानसभा से भी प्रस्ताव पास किया है, लेकिन मोदी सरकार हमें इसकी अनुमति नहीं दे रही है।

पीसीसी अध्यक्ष बैज ने किया बस्तर बंद का ऐलान

इस प्रेस वार्ता में मौजूद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बस्तर आ रहे पीएम मोदी का स्वागत बस्तर बंद से होगा। कांग्रेस ने नगरनार स्टील प्लांट के निजीकरण की मंशा के मद्देनजर बस्तर में विरोध की तैयारी शुरू की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यहां इस बात का ऐलान किया। दीपक बैज ने कहा कि नगरनार संयंत्र का केंद्र सरकार निजीकरण की तैयारी कर रही है। बैज ने कहा कि केंद्र सरकार नगरनार संयंत्र का निजीकरण करने जा रही है जो बस्तर वासियों के भावनाओं के खिलाफ है। हम नगरनार संयंत्र के निजीकरण का विरोध करते हैं। 3 अक्टूबर को पूरा बस्तर बंद किया जाएगा। मोदी अपने चहेते उद्योगपतियों को नगरनार प्लांट बेचना चाह रही है।

एनएमडीसी को दी थी जमीन

गौरतलब है कि 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बस्तर के दौरे पर आ रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बड़ी मांग रखी है। उन्होंने कहा कि नगरनार संयंत्र को निजी कंपनियों को न बेचे, राज्य सरकार खरीदने के लिए तैयार है। बघेल ने कहा कि बस्तर के किसानों ने जमीन एनएमडीसी को दी थी न कि किसी निजी व्यक्ति को। उन्होंने एक राष्ट्रीय अखबार का हवाला देते हुए कहा कि टाटा, अडानी, वेदांता, और जिंदल समूह ने प्लांट को खरीदने में रूचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि संयंत्र को निजी हाथों को न बेचा जाए, राज्य सरकार इसके लिए 20 हजार करोड़ देने के लिए तैयार है।

भूपेश बघेल ने कहा कि जब हम विपक्ष में थे तब भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। केन्द्र की सरकार संयंत्र को निजी हाथों में देना चाहती है। हमने पहले अशासकीय संकल्प और फिर सरकार में आने के बाद शासकीय संकल्प पारित किया था। मगर केन्द्र की सरकार ने विनिवेश की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तो यह भी मांग की थी कि केन्द्र सरकार का पब्लिक सेक्टर एनएमडीसी अगर नगरनार स्टील प्लांट नहीं चला सकता, तो उसे केन्द्र सरकार के ही एक दूसरे पब्लिक सेक्टर सेल को दे दिया जाए ताकि वह उसे भिलाई स्टील प्लांट की तरह चला ले, लेकिन उसे निजी लोगों को न बेचा जाए।

पूर्व में भी विनिवेश का हुआ था विरोध

गौरतलब है कि देश भर में किसी सार्वजानिक प्रतिष्ठान का पहला विनिवेशीकरण छत्तीसगढ़ के कोरबा में हुआ था। यहां के बालको एल्युमिनियम संयंत्र का संचालन केंद्र सरकार ने निजी हाथों में सौंप दिया था। तब भी यहां कांग्रेस की सरकार थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री ने बालको पहुंचकर इसका जमकर विरोध किया था। तब उन्होंने भी कहा था कि केंद्र बालको का संयंत्र राज्य सरकार को दे दिया जाये, उसे हम चला लेंगे।बहरहाल पीएम के बस्तर आगमन से पहले सीएम भूपेश बघेल ने नगरनार प्लांट के निजीकरण का मुद्दा छेड़ दिया है, वहीं कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे को जनता के बीच पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री के आगमन के वक्त बस्तर बंद करने की घोषणा कर दी है। देखना ये है कि मोदी के बस्तर आगमन की तैयारी में जुटी भाजपा और बंद की तैयारी कर रही कांग्रेस पार्टी, दोनों के बीच कौन बाजी मार ले जाता है।

27 प्रतिशत आरक्षण नहीं

» मोदी के कार्यक्रम का बहिष्कार करेगा ओबीसी समाज

रायपुर,01अक्टूबर 2023(ए)। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग समाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि प्रदेश के पिछड़ा वर्ग जब तक 27 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिल जाता तब तक भाजपा, कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक पार्टियों के सभा, समारोह और कार्यक्रम का बहिष्कार करते हुए शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार अनुसार शनिवार को पिछड़ा वर्ग समाज की बैठक मंडी प्रांगण में रखी गई थी, जिसमे सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया है। उनका मानना है कि सभी राजनीतिक पार्टियां ओबीसी समाज को केवल वोट बैंक की के लिए केवल राजनीतिक उपयोग कर रही है।अब जब तक ओबीसी संवर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण नही मिल जाता तब तक सभी राजनीतिक पार्टियों के सभा समारोह में शामिल नहीं होगा। इसी के अंतर्गत आगामी 3 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा का ओबीसी समाज बहिष्कार करेगा, तथा इसमें शामिल नहीं होगा। साथ ही छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ सर्व आदिवासी समाज द्वारा अपनी चार सूत्रीय मांगो के समर्थन में 2 तथा 3 अक्तूबर को आयोजित कार्यक्रम का समर्थन करते हुए शामिल होने की घोषणा की है। इस बैठक में छग पिछड़ा वर्ग के प्रदेश महासचिव कारिया दीवान, जिलाध्यक्ष तरुण सिंह धाकड़, संरक्षक पालन साहू, परमानंद पटेल, लोकेश नंदा, प्रदीप बघेल, पूरन जायसवाल, संतोष यादव, सरिता यादव, कमलेश ठाकुर, रोहित यादव, सामदेव नाग, प्रेम धाकड़ सहित ओबीसी समाज समाज प्रमुख तथा पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

हमर राज पार्टी का पहला चुनावी पोस्टर हुआ जारी

रायपुर,01अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने 'हमर राज पार्टी' की घोषणा कर दी है साथ ही अपना पहला चुनावी पोस्टर भी जारी कर दिया है। पार्टी के प्रमुख अरविंद नेताम ने दावा किया है कि प्रदेश के 50 विधानसभा सीटों पर वे अपने प्रत्याशी उतारेंगे।

हमार राज पार्टी' का भारतीय निर्वाचन आयोग में पंजीयन हो गया है। जिसका अध्यक्ष अकबर राम कोर्राम को बनाया गया है। कार्यकारी अध्यक्ष बीएस रावते हैं। पार्टी के महासचिव विनोद नागवंशी और महेश रावटे कोषाध्यक्ष हैं। हमर राज पार्टी सर्व आदिवासी समाज के अंदर ही रहेगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और पार्टी प्रमुख अरविन्द नेताम का कहना है कि लंबे समय से सर्व आदिवासी समाज अपने समाज की मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है, लेकिन अब तक समाज की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया।छत्तीसगढ़ में संवैधानिक प्रावधान के तहत आदिवासी समाज को 32त्न आरक्षण नहीं मिला है। हमारे समाज की प्रमुख मांगें थी जिसके लिए किसी भी सरकार ने काम नहीं किया। इसलिए हमने नई पार्टी बनाई है। नेताम ने कहा कि पिछले 77 सालों से आदिवासियों का शोषण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में 20 सालों में सरकार ने आदिवासी समाज का वादा पूरा नहीं किया।

युवक के पेट से निकाला गर्भाशय और नसबंदी की नली

धमतरी,01अक्टूबर 2023(ए)। यहां से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसे देखकर माहिर डॉक्टरों के भी होश उड़ गए हैं। दरअसल पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंचे युवक का ऑपरेशन किए जाने के बाद डॉक्टरों ने ऐसी चीज निकाली जिसे देखकर पांव तले पैरों की जमीन खिसक गई। मेडिकल फील्ड के अनुसार विश्व में इस तरह के केवल 300 लोग हैं। तो चलिए जानते हैं क्या निकला युवक के पेट से? दरअसल कांकेर क्षेत्र का एक युवक धमतरी के उपाध्याय नर्सिंग होम पेट दर्द की समस्या लेकर पहुंचा था। अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने युवक का हर्निया फंसा होना व दोनों तरफ के अंडकोष की गोली का अनुपस्थित होना पाया गया। डॉक्टरों ने युवक को ऑपरेशन करने की बात कही और उसे एडमिट कर दिया। दूसरे दिन युवक का ऑपरेशन होना था।

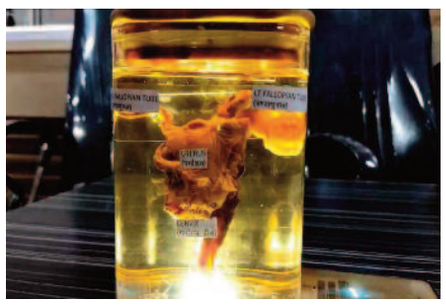

ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों को युवक के पेट में गर्भाशय और नसबंदी की नली मिली, जिसे डॉक्टरों ने बाहर निकला दिया। वहीं अंडकोष के दोनों तरफ की गोली दाई तरफ पेट में थी, जिसे देख डॉक्टर भी हैरान हो गए। इसके बाद इसकी जानकारी मरीज के परिजनों को दी गई और परिजनों की अनुमति के बाद ही युवक के पेट के अंदर स्थित गर्भाशय व नली को सर्जरी कर निकाला गया। साथ ही दाएं अंडकोष की गोली को पेट से निकालकर नीचे थैली में रखा गया। डॉक्टर का कहना है इस बीमारी को परसिस्टेंट मुलेरियन डक्ट सिन्ड्रोम कहते हैं, जो जीन में परिवर्तन की वजह से होता है।

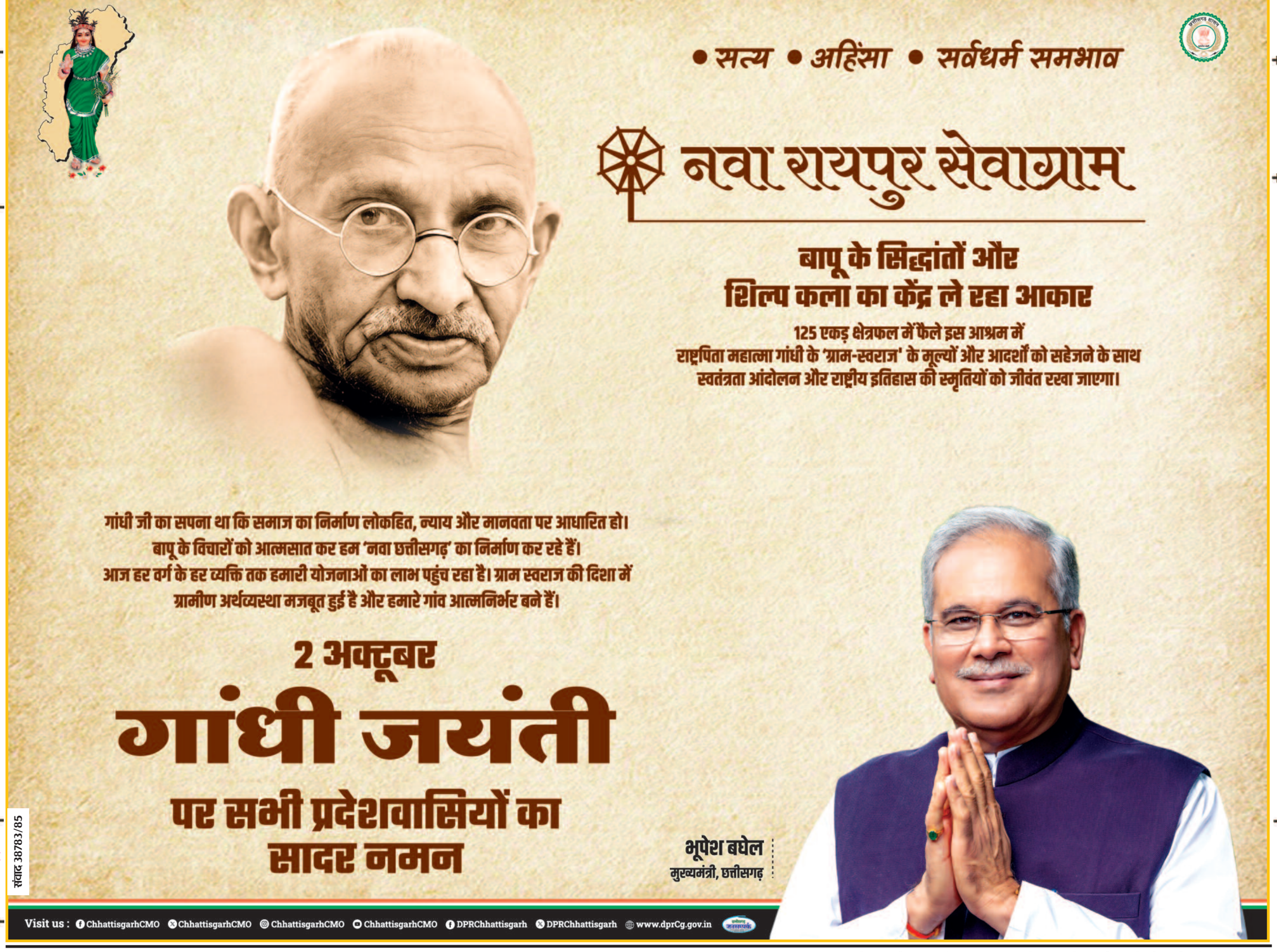

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)